RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 286 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/-
बेंगलूरु » रविवार » 17-05-2026
www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल चुनाव के दौरान 'भड़काऊ' बयान देने के आरोप में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज
6 बहादुरी और बलिदान की मिसाल पेश कर अमर हुए कर्नल एमएन राय
7 आज भी समाज में लोगों को उनके सरनेम से जज किया जाता है : आरजे महवश

फर्स्ट टेक

एएसआई ने हिंदुओं को भोजशाला में निर्बाध प्रवेश की अनुमति दी

धार/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा भोजशाला परिसर को सरस्वती मंदिर करार दिए जाने के एक दिन बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने शनिवार को आदेश जारी कर हिंदू समुदाय को वहां पूजा-अर्चना के लिए निर्बाध प्रवेश की अनुमति दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एएसआई के सात अप्रैल 2003 के उस आदेश को भी निरस्त कर दिया था, जिसके तहत धार जिले में इस परिसर में मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार की नमाज अदा करने की अनुमति दी गई थी।
एएसआई के एक अधिकारी ने कहा कि भोजशाला संस्कृत भाषा, व्याकरण और साहित्य के अध्ययन एवं अनुसंधान का केंद्र होने के साथ-साथ देवी वाग्देवी (सरस्वती) को समर्पित मंदिर भी रही है। उन्होंने कहा कि इस कारण हिंदू समुदाय को ''माता सरस्वती की पूजा-अर्चना और अध्ययन की प्राचीन परंपरा'' के तहत परिसर में निर्बाध प्रवेश की अनुमति दी गई है।

सरकार ने चांदी आयात को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शनिवार को चांदी के आयात पर अंकुश लगाते हुए इसे प्रतिबंधित श्रेणी में रखने का निर्णय किया। इसके तहत चांदी के आयात को अब लाइसेंस प्रणाली के अंतर्गत लाया गया है। कीमती धातुओं पर भारी सीमा शुल्क लगाने के कुछ ही दिनों बाद यह कदम उठाया गया है। सरकार ने 13 मई को कीमती धातुओं... सोना और चांदी... पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। प्रभावी शुल्क (3 प्रतिशत आईजीएसटी सहित) 18 प्रतिशत से अधिक है। यह वृद्धि गैर-जरूरी आयातों पर अंकुश लगाकर विदेशी मुद्रा की निकासी को नियंत्रित करने के लिए की गई थी।

तरबूज खाने के बाद व्यक्ति की मौत, बेटा गंभीर

श्योपुर/भाषा। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कथित तौर पर तरबूज खाने के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसका बेटा गंभीर हालत में है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुंबई में एक परिवार के चार सदस्यों की तरबूज खाने की घटना के एक माह बाद संदिग्ध विषाक्तता से मौत होने की यह घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान आगर मालवा जिले के मूल निवासी इंद्र सिंह परिहार (43) के रूप में हुई है जो वह परिवहन कारोबारी थे और परिवार के साथ श्योपुर में रहते थे।

17-05-2026 सूर्यास्त 6:38 बजे	18-05-2026 सूर्योदय 5:53 बजे
BSE 75,237.99 (-160.73)	NSE 23,643.50 (-46.10)
सोना 16,260 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 288,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वजीर का दम

हल हो सकती सभी समस्या,
यदि सत्ता गंभीर है।
दुश्मन की औकात नहीं यदि,
सीमा पर रणधीर है।
गठबंधन होते सुखदायक,
नेता यदि प्रणवीर है।
खत्म न होती कभी बाजियां,
जीवित अगर वजीर है।।

भारत की आकांक्षाएं अब 'सीमाओं तक सीमित नहीं हैं': नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हेग/भाषा। भारत को ''अवसरों की भूमि'' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश अभूतपूर्व परिवर्तन से गुजर रहा है और इसकी आकांक्षाएं अब इसकी सीमाओं तक सीमित नहीं हैं।

नीदरलैंड के हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत बड़े सपने देख रहा है और उसके युवा आसमान छूने की आकांक्षा रखते हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने 40 मिनट से अधिक के संबोधन में कहा, 21वीं सदी का भारत अवसरों की भूमि है। भारत प्रौद्योगिकी और मानवता दोनों से प्रेरित है। भारत जितना प्राचीन है, उतना ही आधुनिक भी हो रहा है। इसलिए, यह भारत में अपने पैतृक गांवों से जुड़ने और विकसित भारत की यात्रा में भागीदार बनने का भी सही समय है। उन्होंने नीदरलैंड में भारत के सभी मित्रों से भारत के साथ सहयोग को यथासंभव बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने श्रोताओं की तालियों के बीच कहा, ''इससे भारत की क्षमता में भी वृद्धि होगी और आपके निवेश पर प्रतिफल भी अधिक होगा। यह मोदी की गारंटी है।''

मोदी ने कहा, ''आज हमारा भारत बड़े सपने देख रहा है। आज भारत कह रहा है कि हमें केवल परिवर्तन ही नहीं चाहिए, हमें सर्वश्रेष्ठ चाहिए, हमें सबसे तेज गति चाहिए। इसीलिए जब भारत में असीमित आकांक्षाएं हैं, तो प्रयास भी असीमित होते जा रहे हैं।'' उन्होंने भारत के स्टार्टअप परिवेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेटवर्क है।

उन्होंने कहा, आज भारत की आकांक्षाएं अब इसकी सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। भारत ओलंपिक की मेजबानी करना चाहता है, वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनना चाहता है, हरित ऊर्जा में अग्रणी बनना चाहता है और विश्व का विकास इंजन बनना चाहता है।

नीदरलैंड ने भारत को चोल राजवंश के ताम्रपत्रों को वापस किया

हेग/भाषा। नीदरलैंड ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में चोल राजवंश से जुड़े ताम्रपत्र शनिवार को भारत को वापस लौटा दिये। ये ताम्रपत्र 11वीं शताब्दी के हैं और इस पहल को दोनों देशों के बीच संबंधों के प्रगाढ़ होने के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। भारत 2012 से अनाइमंगलम ताम्रपत्रों की वापसी के लिए प्रयासरत है, जिन्हें नीदरलैंड में लीडेन प्लेट्स के नाम से जाना जाता है। ये 21 ताम्रपत्र चोल राजवंश के सबसे महत्वपूर्ण बचे हुए अभिलेखों में से एक माने जाते हैं और भारत के बाहर कहीं भी मौजूद तमिल विरासत की महत्वपूर्ण कलाकृतियों में से हैं। राज राज चोल प्रथम के काल के इन ताम्रपत्रों का वजन लगभग 30 किलोग्राम है और ये चोल राजवंश की शाही मुहर वाली एक कांस्य की अंगूठी से एक साथ बंधी हुई हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार का बेटा पॉक्सो मामले में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे भगीरथ को पॉक्सो मामले में पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इससे पहले बंडी संजय कुमार ने एक बयान जारी कर कहा था कि उन्होंने अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में सहयोग करने को कहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि उनके बेटे का कहना है कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।''

करोड़ों रुपए के संदिग्ध निवेश धोखाधड़ी मामले में निजी निवेश कंपनी का मालिक गिरफ्तार

बेलगावी (कर्नाटक)/भाषा। करोड़ों रुपए के संदिग्ध निवेश धोखाधड़ी और कथित अनियमित वित्तीय गतिविधियों के खिलाफ की गई बड़ी कार्रवाई के बाद बेलगावी में एक निजी निवेश कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'शिवम एसोसिएट्स' के मालिक शिवानंद नीलन्नवर को आगे की जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया है। यह कार्रवाई बेलगावी जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा कंपनी से जुड़े एक संदिग्ध निवेश धोखाधड़ी का खुलासा किए जाने के बाद की गई है। कंपनी पर आरोप है कि उसने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) या भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से वैध अनुमोदन के बिना हजारों निवेशकों से धनराशि एकत्र की थी। यहां पत्रकारों से बेलगावी पुलिस आयुक्त बोरसे भूषण गुलाबराव ने बताया कि 'शिवम एसोसिएट्स' की जांच की गई। उन्होंने बताया कि इस जांच के आधार पर शुक्रवार शाम को मालमारुति थाने में शिकायत दर्ज की गई।

भारत ने हेग मध्यस्थता न्यायालय के फैसले को खारिज किया

सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी

- भारत का कहना है कि इस मामले के लिए तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय (सीओए) का गठन ''अवैध रूप से'' किया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शनिवार को हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय के उस फैसले को खारिज कर दिया, जो जम्मू-कश्मीर में कुछ जलविद्युत परियोजनाओं से संबंधित था, जिन पर पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि के तहत आपत्ति जताई थी।

नई दिल्ली ने इस फैसले को खारिज करते हुए कहा कि सिंधु जल संधि को ''स्थगित'' रखने का उसका निर्णय अब भी लागू है।

भारत का कहना है कि इस मामले के लिए तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय (सीओए) का गठन ''अवैध रूप से'' किया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''अवैध रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय ने 15 मई को अधिकतम जल ग्रहण क्षेत्र से संबंधित एक फैसला दिया है, जो सिंधु जल संधि की सामान्य व्याख्या के मुद्दों पर दिए गए फैसलों का पूरक है।'' उन्होंने कहा, ''भारत इस तथाकथित फैसले को स्पष्ट रूप से खारिज करता है, ठीक उसी तरह जैसे उसने अवैध रूप से गठित मध्यस्थता न्यायालय के सभी पूर्व निर्णयों को दृढ़ता से खारिज किया है।''

जायसवाल ने कहा, ''इसके (मध्यस्थता न्यायालय) द्वारा जारी कोई भी कार्यवाही या निर्णय अमान्य है। सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का निर्णय बरकरार है।''

ब्राह्मणों पर टिप्पणी के लिए

अनुराग कश्यप के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत की एक अदालत ने शनिवार को फिल्म निर्माता-अभिनेता अनुराग कश्यप के खिलाफ ब्राह्मण समुदाय पर सोशल मीडिया में की गई टिप्पणियों के लिए आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) ए. एस. जानी की अदालत ने वकील और विश्व हिंदू परिषद के नेता कमलेश रावल द्वारा दायर निजी शिकायत को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कश्यप के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यह मानने का कारण है कि सोशल मीडिया पोस्ट को आरोपी द्वारा इस तरह से कई बार पोस्ट किया गया था जिससे एक निश्चित समुदाय की मानहानि होती है। न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखने वाले शिकायतकर्ता ने कश्यप द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अदालत का रुख किया, जिसके बारे में उनका कहना है कि इसने पूरे ब्राह्मण समुदाय को बदनाम किया है।

धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करें या खुद जवाबदेही लें प्रधानमंत्री : राहुल

- राहुल गांधी ने वीडियो में कहा कि 22 लाख छात्रों ने दो साल तक जीतोड़ मेहनत की और उनकी सारी मेहनत बर्बाद हो गई।
- पूरा देश जानता है कि परीक्षा से दो दिन पहले नीट का पेपर व्हाट्सऐप पर बांटा गया। देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता से जुड़े मामले को लेकर शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करें या खुद जवाबदेही स्वीकार करें। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि यह मामला भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विभिन्न संस्थाओं में बैठे इनसे जुड़े लोगों के बीच पैसे बनाने के लिए की गई साठगांठ का मामला है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, नीट के 22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ है। पर मोदी जी एक शब्द भी नहीं बोल रहे। धर्मेंद्र प्रधान जी को अभी हटाइए, या जवाबदेही ख़ुद लीजिए।

राहुल गांधी ने वीडियो में कहा कि 22 लाख छात्रों ने दो साल तक जीतोड़ मेहनत की और उनकी सारी मेहनत बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा, पूरा देश जानता है कि परीक्षा से दो दिन पहले नीट का पेपर व्हाट्सऐप पर बांटा गया। देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधान ने संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की सिफारिश को कूड़ेदान में फेंक दिया और यह कहा था कि इस समिति में विपक्ष के लोग बैठे हैं, ऐसे में इन सिफारिशों का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने दावा किया कि प्रधान ने देश की शिक्षा व्यवस्था के मूल स्वरूप को नुकसान पहुंचाया है। राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया, केंद्र में, आरएसएस-भाजपा और उनके सहयोगियोंविश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रोफेसरोंके बीच पैसे कमाने का यह गठजोड़ मौजूद है। इन्होंने हिंदुस्तान की शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दिया है।

राहुल गांधी ने कहा, पूरा देश जानता है कि यदि आप किसी विश्वविद्यालय का कुलपति बनना चाहते हैं, तो आपको विषय का ज्ञान और अनुभव रखने की कोई जरूरत नहीं है।

एनसीबी ने पहली बार पश्चिम एशिया में प्रचलित 'कैप्टागन' की 182 करोड़ रुपए मूल्य की खेप जब्त की

नई दिल्ली/भाषा। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'कैप्टागन' की तस्करी में संलिप्त अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है और 182 करोड़ रुपए मूल्य का 227.7 किलोग्राम 'जिहादी ड्रग' जब्त किया है। गृह मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस सफलता की घोषणा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर पहली बार 'कैप्टागन' की खेप जब्त करने के लिए एजेंसी की सराहना की।

सूत्रों के अनुसार, 'कैप्टागन' फेनेथाइलीन नामक एक कृत्रिम उत्तेजक दवा का प्रचलित नाम है, जिसे 1960 के दशक में विकसित किया गया था। पश्चिम एशिया के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों और चरमपंथी नेटवर्क द्वारा इसका दुरुपयोग एवं तस्करी किए जाने के लगातार सामने आए मामलों तथा खुफिया सूचनाओं के कारण इसे अक्सर 'जिहादी ड्रग' के नाम से भी जाना जाता है।

पाकिस्तान को कड़ा सैन्य संदेश देते हुए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा

पाकिस्तान को तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बने रहना चाहता है या इतिहास का

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान को कड़ा सैन्य संदेश देते हुए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि अगर इस्लामाबाद आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ गतिविधियां जारी रखता है, तो उसे ''यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बने रहना चाहता है या इतिहास का।''

दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवील्ड' द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र में उनसे पूछा गया कि यदि पिछले वर्ष की 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी परिस्थितियां फिर उत्पन्न होती हैं, तो भारतीय सेना की प्रतिक्रिया क्या होगी।

इस पर सेना प्रमुख ने कहा, ''यदि आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने यही कहा है... कि पाकिस्तान, अगर वह आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है, तो उसे तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा रहना चाहता है या इतिहास का।''

'सेना संवाद' कार्यक्रम में उनकी ये टिप्पणियां देश और भारतीय सेना द्वारा शुरू किए 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक साल पूरे होने के कुछ ही दिनों बाद आईं। जनरल द्विवेदी के ये संक्षिप्त लेकिन सख्त बयान पाकिस्तान के लिए स्पष्ट संदेश माने जा रहे हैं और आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराते हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' पिछले वर्ष छह-सात मई की दरमियानी रात को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था। इसके तहत भारतीय बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे।

इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की थी और भारत की सभी जवाबी कार्रवाइयां भी 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत ही की गई थीं।

पाकिस्तान की रक्षा बजट में 100 अरब रुपए बढ़ाने की योजना

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष में रक्षा बजट में करीब 100 अरब पाकिस्तानी रुपए की बढ़ोतरी कर सकती है। सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। अखबार 'डॉन' ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 2026-27 के लिए रक्षा खर्च 2.66 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष में 2.56 लाख करोड़ रुपए है। रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने 2026-27 में पाकिस्तान की कुल संघीय आय 17.14 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए रहने का अनुमान लगाया है। यह मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक और करीब 13.5 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने केंद्र और प्रांतीय सरकारों के कुल खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.2 प्रतिशत तक बढ़ाकर 4.23 लाख करोड़ रुपए करने का वादा किया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा

इस्लामिक स्टेट समूह का प्रमुख आतंकवादी अमेरिका-नाइजीरिया के संयुक्त अभियान में मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और नाइजीरिया के सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को एक अभियान में इस्लामिक स्टेट समूह के एक कुख्यात आतंकवादी को मार गिराया।

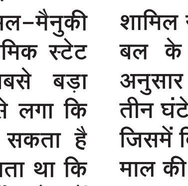

ट्रंप ने देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में इस संयुक्त अभियान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अबू बक्र अल-मैनुकी वैश्विक स्तर पर इस्लामिक स्टेट समूह का दूसरा सबसे बड़ा आतंकी था और ''उसे लगा कि वह अफ्रीका में छिप सकता है लेकिन उसे यह नहीं पता था कि हमारे पास ऐसे सूत्र हैं, जो हमें उसकी गतिविधियों की जानकारी देते रहते थे।''

नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका अल-मैनुकी को आईएस के संगठन और वित्तपोषण में प्रमुख व्यक्ति मानता था और वह अमेरिका और उसके हितों के खिलाफ हमले की साजिश रच रहा था।

नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टिनुबू ने अभियान की पुष्टि की और कहा कि चाड झील के पास स्थित इलाके में अल-मैनुकी के ठिकाने पर किये गये हमले के दौरान कुख्यात आतंकी अपने कई लड़ाकों के साथ मारा गया।

अभियान में शामिल नाइजीरिया के सैन्य कार्य बल के प्रवक्ता सानी उबा के अनुसार शुक्रवार देर रात अंधेरे में तीन घंटे तक यह अभियान चला, जिसमें किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई। प्रवक्ता ने कहा, अल-मैनुकी का मारा जाना इस क्षेत्र में 2015 में अभियान की शुरुआत के बाद से आतंकवाद के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सहज स्मृति योग

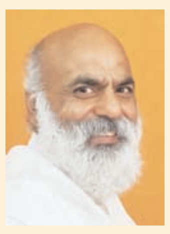

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, क्या कोई भी ऐसी चीज़ है जिसको पाकर फिर कभी जीवन में शोक, मोह, संदेह, भ्रम और दुख से न गुजरना न पड़े?

उत्तर: ऐसी वस्तु है तो जिसे पाकर मानव को फिर कभी जीवन में शोक, मोह, संदेह, भ्रम और दुख से न गुजरना न पड़े। लेकिन, उस वस्तु को पाने के उपरांत भी उसके छूटने या खो देने की संभावना निरंतर बनी रहती है। इसलिए यदि कोई उसे पाकर फिर कभी छोड़े नहीं तो वह अपने आप न तो खो सकती है और न ही छूट सकती है। और इसके बने रहने की अवधि में शोक, मोह, संदेह, भ्रम और दुख आते तो हैं पर अपना प्रभाव नहीं दिखा पाते वे निस्तेज और हत्-प्रभ बने रहते हैं ।वह वस्तु आध्यात्मिक-ज्ञान-साधना ही है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने तीसरे-चौथे बच्चे के जन्म पर प्रोत्साहन राशि की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नरसन्नापेटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को राज्य में घटती जनसंख्या को रोकने के प्रयासों के तहत तीसरे बच्चे के जन्म पर 30,000 रुपए और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपए के प्रोत्साहन राशि की घोषणा की।

श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि सरकार ने यह निर्णय लिया है और एक महीने के भीतर इसके बारे में विस्तृत जानकारी देगी।

नायडू ने स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र स्वच्छता कार्यक्रम से इतर एक अन्य कार्यक्रम में कहा, ''मैंने एक नया निर्णय लिया है। हम तीसरे

बच्चे के जन्म के तुरंत बाद 30,000 रुपए और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपए देंगे। क्या यह सही निर्णय नहीं है?''

हालांकि, उन्होंने पहले जनसंख्या नियंत्रण उपायों की वकालत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज जन्म दर बढ़ाने के लिए मिलकर काम करे। नायडू की यह नवीनतम घोषणा दूसरे बच्चे के जन्म पर 25,000 रुपए का प्रोत्साहन देने के पहले के प्रस्ताव के बाद आई है।

पांच मार्च को मुख्यमंत्री ने विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर दंपतियों को 25,000 रुपए का प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है।

नायडू के अनुसार, कुछ दंपति आय बढ़ने के कारण केवल एक ही संतान रखना पसंद कर रहे हैं, जबकि अन्य दंपति दूसरी संतान तभी चाहते हैं जब उनका पहला बच्चा लड़का न हो।

उन्होंने चेतावनी दी कि इसके परिणामस्वरूप राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है। उन्होंने प्रतिस्थापन स्तर को बरकरार रखने के महत्व पर जोर देते हुए कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को 2.1 करने पर बल दिया। नायडू ने कहा कि जनसंख्या तभी स्थिर रहती है जब औसत प्रजनन दर प्रति महिला 2.1 बच्चे हो।

महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण हैं : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और शिक्षा उनकी सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है।

गुप्ता आर.के. पुरम क्षेत्र में स्थानीय विधायक द्वारा आयोजित साइकिल वितरण कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, मेरे दिल्ली शहर में हमारी बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इसके लिए हमने 'लखपति बिटिया योजना' शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में जारी ईंधन बचत पहल के तहत प्रत्येक परिवार के लिए एक साइकिल उपयोगी साबित होगी। जब मैं मुख्यमंत्री बनी, तब मुझे लगा कि मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपनी बहनों और बेटियों के लिए काम करना है। सड़कें, फ्लाईओवर और पुल ये सभी जरूरी हैं। शिक्षा में सुधार होना चाहिए और अस्पताल बनाए जाने चाहिए। ये सब हमारी जिम्मेदारियों में शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि छात्राओं को मुफ्त साइकिल उपलब्ध कराने के संबंध में इस वर्ष की शुरुआत में उनकी सरकार द्वारा घोषित योजना के लिए निविदा जारी कर दी गई हैं और जल्द ही सरकार साइकिलों का वितरण शुरू करेगी।

संकटग्रस्त किसानों को नजरअंदाज कर रही है महाराष्ट्र सरकार: जयंत पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने शनिवार को महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संकटग्रस्ट किसानों के लिए धन की कमी का हवाला दे रही है, जबकि राज्य पर बढ़ते कर्ज के बोझ के बावजूद ''अनावश्यक'' परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है।

पाटिल की यह टिप्पणी तब आयी है जब एक दिन पहले कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) सहित कई दलों के नेताओं को मुंबई में कोंकण क्षेत्र के किसानों की मांगों को लेकर एक प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था।

राज्य के पूर्व मंत्री पाटिल ने कहा, ''किसानों की कई लंबित मांगों के लिए धन की कमी है। लेकिन राज्य के भारी कर्ज में होने के बावजूद कई अनावश्यक परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है, जबकि जनता की ओर से उनकी कोई मांग भी नहीं है। यह चिंताजनक है।''

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर मुंबई में एक विरोध मार्च निकाला गया था, जिसमें स्वाभिमान शेतकारी संगठन के राजू शेट्टी, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, राष्ट्रीय समाज पक्ष के महादेव जानकर और शिवसेना (उबाठा) नेता विनायक राउत और अरविंद सावंत सहित अन्य दलों के पदाधिकारी शामिल हुए।

यह मार्च किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर आयोजित किया गया था, लेकिन पुलिस ने इसे राज्य सचिवालय मंत्रालय के बाहर रोक दिया और कई नेताओं को हिरासत में ले लिया।

पाटिल ने एक बयान में कहा कि आम, काजू और प्याज उत्पादक किसान बेमौसम बारिश और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम बाजार भाव की दोहरी मार झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''बेमौसम बारिश और एमएसपी से कम कीमत मिलने के कारण आम, काजू और प्याज किसानों की हालत दयनीय हो गई है। कृषि प्रधान देश में किसान अपनी मेहनत से उगाई गई फसल का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।''

मोदी ने लोगों से विदेश यात्रा नहीं करने की अपील की और खुद पांच देशों की यात्रा पर चले गए : मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने लोगों से विदेश यात्राएं नहीं करने की अपील की जबकि खुद विदेश जाना बंद नहीं किया है।

प. एशिया में जारी संकट के बीच, मोदी ने ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने का आह्वान किया है। उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए शहरों में मेट्रो रेल सेवाओं का उपयोग करने, कारपूलिंग करने, इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग करने और घर से काम करने का भी आग्रह किया। मान ने कहा, ''सबसे पहले प्रधानमंत्री को अपनी विदेश यात्राएं रोकनी चाहिए। वे अभी कहां हैं? वे नीदरलैंड गए हैं। वे 3-4 और देशों का दौरा करेंगे। उन्होंने लोगों से विदेश यात्रा से बचने के लिए कहा था, लेकिन वह स्वयं (विदेश) चले गए। आप सब कुछ बंद कर रहे हैं... सोना न खरीदें, विदेश यात्राएं न करें, घर से काम करें।'' मुख्यमंत्री ने मोदी की अपील को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ''प्रधानमंत्री घर से काम क्यों नहीं करते?'' उन्होंने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूछा, ''हमें 'विश्वगुरु' बनना था, लेकिन हम 'विश्वचेले' बन गए हैं। युद्ध कहीं और हो रहा है, लेकिन प्रतिबंध यहां लगाए जा रहे हैं। किसी अन्य देश ने ऐसा (प्रतिबंध) क्यों नहीं लागू किया?''

नीट का प्रश्न पत्र लीक हो सकता है लेकिन सशस्त्र बलों में ऐसा नहीं होता : वी के सिंह

नई दिल्ली/भाषा। देश में तीन मई को आयोजित नीट परीक्षा रद्द किए जाने के मद्देनजर मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने शनिवार को कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो सकता है, लेकिन सशस्त्र बलों में ऐसा नहीं होता क्योंकि वहां की व्यवस्थाएं 'पूरी तरह निष्पक्ष' हैं। उन्होंने यहां मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। कार्यक्रम में दिल्ली और आसपास के शहरों के विभिन्न स्कूलों के छात्र समेत बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए।

देश में मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-स्नातक) देनी होती है। यह परीक्षा तीन मई को आयोजित की गई थी, लेकिन परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों के बाद इसे रद्द कर दिया गया। इसके विरोध में देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन हुए। हालांकि, सरकार ने 21 जून को पुनः परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की है। जनरल सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा, नीट का पेपर लीक हो सकता है, लेकिन सेना और वायुसेना में भर्ती से जुड़ी परीक्षाओं में ऐसा नहीं होता। हमने ऐसी प्रणालियां बनाई हैं जो पूरी तरह निष्पक्ष हैं। इससे अधिक निष्पक्ष प्रणाली हो ही नहीं सकती।

सेना के पूर्व प्रमुख ने कहा कि सशस्त्र बलों की प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की जांच भी अलग तरीके से की जाती है। मिजोरम के राज्यपाल ने कहा कि यदि कोई 'निष्पक्षता, अनुशासन, प्रेरणा और देश के लिए काम करने की इच्छा' देखना चाहता है, तो वह सेना से बेहतर उदाहरण कहीं और नहीं पा सकता। यह सत्र 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'सेना संवाद' के तहत आयोजित किया गया था।

दक्षिण-पश्चिम मानसून अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और अंडमान-निकोबार में आगे बढ़ा : मौसम विभाग

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर, संपूर्ण निकोबार द्वीप समूह और श्री विजयपुरम सहित अंडमान द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। आईएमडी ने यह भी बताया कि अगले तीन-चार दिनों में मानसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। अंडमान द्वीप समूह और अंडमान सागर के शेष हिस्सों के साथ-साथ पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में भी इस दौरान मानसून का आगमन हो सकता है। आईएमडी ने कहा, ''क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए सभी मानदंड पूरे हो रहे हैं।'' मौसम विभाग ने शुक्रवार को कहा था कि केरल में 26 मई की सुबह दक्षिण-पश्चिम मानसून के आने की संभावना है। केरल में मानसून की शुरुआत आमतौर पर एक जून को होती है, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम (जून से सितंबर) का आरंभ होता है। इससे पहले, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा था कि इस वर्ष मानसून के मौसम में भारत में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। इसका कारण इस मौसम में अल नीनो की स्थिति का उत्पन्न होना हो सकता है, जिससे देश में कम वर्षा होती है।

होशियारपुर में बोरवेल से सुरक्षित निकाले गए चार वर्षीय बच्चे की हालत स्थिर : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर (पंजाब)/भाषा। पंजाब के जेल मंत्री डॉ. रवजोत सिंह बोरवेल से सुरक्षित निकाले गए चार वर्षीय बच्चे गुरकरन सिंह का कुशलक्षेम जानने के लिए शनिवार को सरकारी अस्पताल पहुंचे और कहा कि बच्चे की हालत स्थिर है।

मंत्री चिकित्सकों की एक टीम के साथ अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने उपचार कर रहे चिकित्साकर्मियों से बात की और परिजनों से भी मिले। अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार आधी रात 12 बजकर 40 मिनट पर बोरवेल से निकाला गया गुरकरन फिलहाल निगरानी में है। बचाव के तुरंत बाद उसे जांच और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्थानीय विधायक एवं मंत्री रवजोत सिंह ने कहा कि बच्चे की हालत स्थिर है और सुबह उसे तरल पदार्थ दिया गया। वरिष्ठ चिकित्सकों की एक टीम लगातार उसकी सेहत पर नजर रख रही है। मंत्री ने कहा, ''उसकी सेहत में सुधार हो रहा है। जरूरी जांचें की जा चुकी हैं। हल्के संक्रमण के लक्षण मिले हैं, जो घटना के दौरान लंबे समय तक मिट्टी और धूल के संपर्क में रहने के बाद स्वाभाविक है।'' धूल के कणों से आंखों में जलन होने के कारण बच्चे की आंखों की जांच भी की गई है, उसे 48 घंटे निगरानी में रखा जाएगा और अगर सेहत में सुधार जारी रहा तो सोमवार तक उसे छुट्टी मिल सकती है।

देवी-देवताओं पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणी को लेकर भीड़ ने महिला को पीटा, निर्वस्त्र घुमाया

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के उल्हासनगर इलाके में एक महिला की पिटाई करने और उसे निर्वस्त्र कर चप्पलों की माला पहनाकर घुमाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सेंट्रल थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सुनील आवताडे के अनुसार, यह घटना बृहस्पतिवार को हुई और इस अपराध में कथित तौर पर शामिल चार अन्य लोग फरार हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया, ''यह घटना मंदिर के दर्शन को लेकर हुई। महिला ने कथित तौर पर देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे लोगों का एक समूह भड़क गया। जांच के हिस्से के रूप में सोशल मीडिया पर कई बार पोस्ट किए गए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।'' अधिकारी ने बताया कि मामले के आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत स्वेच्छा से चोट पहुंचाने, आपराधिक धमकी देने और शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने तथा अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है।

सीजेआई की युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से करने वाली टिप्पणी अस्वीकार्य : रोहित पवार

मुंबई/भाषा। राकांपा-शरदचंद्र पवार (शप) के नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की बेरोजगार युवाओं की तुलना परजीवी व कॉकरोच से करने वाली टिप्पणी ''अस्वीकार्य'' है और यह आलोचना सवाल पूछने वालों के प्रति असहिष्णुता को दर्शाती है।

कर्जत-जामखेड़ से विधायक पवार ने कहा कि वह भारतीय न्यायपालिका का बहुत सम्मान करते हैं लेकिन किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की इस तरह की टिप्पणी बेहद आहत करने वाली है और यह टूटे हुए वादों, अवसरों की कमी व बढ़ती बेरोजगारी से जूझ रही एक पूरी पीढ़ी का मजाक उड़ाने जैसी प्रतीत होती है।

प्रधान न्यायाधीश ने शुक्रवार को कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से करते हुए कहा था कि वे आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया व आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला शुरू कर देते हैं।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा हासिल करने के लिए ''प्रयासरत'' रहने पर एक वकील को फटकार लगाते हुए यह टिप्पणी की थी।

पीठ ने कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे ''परजीवी'' मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर हमला करते हैं और पूछा कि क्या याचिकाकर्ता भी उनके साथ जुड़ना चाहता है।

पवार ने एक बयान में कहा कि भले ही यह टिप्पणी फर्जी डिग्री धारकों और वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा दिए जाने से संबंधित याचिकाओं के संदर्भ में की गई हो, लेकिन बेरोजगार युवाओं और आरटीआई कार्यकर्ताओं को एक ही श्रेणी में रखना अनुचित है।

उन्होंने कहा, ''भारत के युवाओं, आरटीआई कार्यकर्ताओं, मीडिया प्रतिनिधियों और अलग राय रखने वालों की तुलना परजीवियों या कॉकरोच से करना पूरी तरह अस्वीकार्य है। ऐसी भाषा आलोचकों और सवाल पूछने वालों के प्रति अत्यधिक असहिष्णुता को दर्शाती है।''

'अमृत काल' छात्रों के लिए 'मृत काल' बना, धर्मेंद्र प्रधान तत्काल इस्तीफा दें : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में कथित अनियमितता से जुड़े मामले का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि मोदी सरकार में 'अमृत काल' छात्रों के लिए 'मृत काल' साबित हो रहा है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री को चुप्पी तोड़नी चाहिए और 'परीक्षा-लीक पर चर्चा' करनी चाहिए।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार में 'अमृत काल' प्रवेश परीक्षा में शामिल छात्रों के लिए 'मृत काल' साबित हो रहा है। खबरों के मुताबिक कई छात्र-छात्राओं ने नीट का प्रश्नपत्र लीक होने के कारण पहुंचे सदमे से आत्महत्या की है।'' उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी के रितिक मिश्रा, दिल्ली की 20 वर्षीय अंशिका पांडेय, राजस्थान में झुंझुनूं के प्रदीप मेघवाल, गोवा में रह रहे बेंगलूरु के एक छात्र ने यह कदम उठाया है। खरगे ने कहा, ''किसी ने बचपन से सपना देखा, किसी ने परिवार की उम्मीदों के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया, वर्षों तैयारी की। लेकिन मोदी सरकार की भ्रष्ट और निकम्मी व्यवस्था ने उनके सपनों को रौंद दिया।''

आंध्र प्रदेश: चेन्नई के एक श्रद्धालु ने टीटीडी को इलेक्ट्रिक बस दान की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। चेन्नई के एक श्रद्धालु ने शनिवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को एक इलेक्ट्रिक बस दान की। मंदिर प्रशासन ने इस बास का उपयोग तीर्थयात्रियों के मुफ्त परिवहन के लिए करने का वादा किया।

वर्धमान जैन ने बस की चाबियां टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सी. वेंकैया चौधरी को सौंपी। मंदिर प्रशासन की ओर से जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया, जैन ने शनिवार सुबह टीटीडी को एक इलेक्ट्रिक बस दान की। दानकर्ता ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर के सामने बस के लिए विशेष प्रार्थना की। टीटीडी श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है। श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को विश्व का सबसे धनी हिंदू मंदिर माना जाता है।

टीसीएस का लक्ष्य विश्व की सबसे बड़ी एआई प्रौद्योगिकी कंपनी बनना: सीईओ कृतिवासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सीईओ और प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने कहा है कि टीसीएस का लक्ष्य विश्व की सबसे बड़ी एआई-आधारित प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी बनना है। कंपनी के शीर्ष 139 ग्राहकों में से 130 ने पहले ही इसे अपने एआई सेवा भागीदार के रूप में चुन लिया है।

कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे पत्र में कृतिवासन ने कहा कि बीता वित्त वर्ष उद्यम एआई के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। ग्राहकों ने प्रायोगिक परियोजना से आगे बढ़कर बड़े पैमाने पर इसका

उपयोग शुरू कर दिया। उन्होंने लिखा, ''एआई के कारण उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए, हमने विश्व की सबसे बड़ी एआई-आधारित प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी बनने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को साकार करने की हमारी रणनीति है कि हम बुनियादी ढांचे से लेकर 'इंटेलिजेंस' तक, एक पूर्ण-स्तरीय एआई सेवा प्रदाता बनें।''

कृतिवासन ने कहा कि टीसीएस के शीर्ष 139 ग्राहकों में से 130 ने कंपनी को अपने एआई सेवा भागीदार के रूप में चुना है। ये वे कंपनियां हैं जिनका वार्षिक राजस्व पांच करोड़ डॉलर से अधिक है।

कृतिवासन के अनुसार इस व्यापक प्रौद्योगिकी बदलाव को समर्थन देने के लिए, टीसीएस ने अपने कर्मचारियों के कौशल को तेजी से बढ़ाया है। अब 2,70,000 से अधिक कर्मचारियों के पास उन्नत एआई कौशल हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना अधिक है।

सीईओ ने वैश्विक उद्यम ग्राहकों के अलावा वित्त वर्ष के दौरान भारत में टीसीएस की राष्ट्रीय स्तर की परियोजनाओं के क्रियान्वयन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, हमने सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) को दुनिया के सबसे बड़े सरकारी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस में बदल दिया है, जिसमें पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक की खरीद हुई है।

युवाओं के साथ संवाद के दौरान सेना प्रमुख ने कैफे खोलने की अपनी इच्छा व्यक्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को यहां युवाओं के एक समूह के साथ हुई अनौपचारिक बातचीत में, न केवल उन्हें नेतृत्व के पाठ पढ़ाए, बल्कि 'आहिस्ता जिंदगी' नाम से एक कैफे खोलने का अपना निजी सपना भी साझा किया।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि उनका सपना एक ऐसा कैफे बनाना है जहां भागदौड़ भरी जिंदगी में मन को सुकून मिल सके। उन्होंने कहा कि इस कैफे, जिसे उन्होंने अपने गृह राज्य मध्य प्रदेश में स्थापित करने की योजना बनाई है, का उद्देश्य एक कप कॉफी पर अनगिनत संवाद के रास्ते खोलना तथा लोगों के लिए अधिक सार्थक जीवन प्राप्त करने की दिशा में परिकल्पित और आदान-प्रदान किए गए विचारों के एक केंद्र स्थल के रूप में स्थान हासिल करना होगा। जनरल द्विवेदी ने यहां मानेकशॉ केंद्र में 'यूनिफॉर्म अनवील्ड' द्वारा आयोजित 'सेना संवाद' सत्र के दौरान एक मेजबान के साथ अनौपचारिक बातचीत की

तथा दिल्ली और आसपास के शहरों के विभिन्न स्कूलों से आए छात्रों के एक समूह से परिसंवाद किया। सेना प्रमुख ने युवाओं से स्वस्थ रहने, कड़ी मेहनत करने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ ही सोशल मीडिया पर 'रील' देखने के बजाय शारीरिक गतिविधियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। अनौपचारिक बातचीत के दौरान, जनरल द्विवेदी से सैन्य वर्दी में भूमिका से परे उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा गया। सेना प्रमुख ने कहा, ''मुझे लगता है कि शायद कर्नल के पद पर ही मुझे यह एहसास हुआ कि अब उस समाज को कुछ लौटाने का समय आ गया है जिसने मुझे इतनी ऊंचाई तक पहुंचाया है। क्योंकि अब समय आ गया है कि मैं जो कुछ भी हासिल कर पाया हूं, उसके लिए धन्यवाद कहूं, आभार व्यक्त करूं।'' जनरल द्विवेदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनके जैसे सैन्य अधिकारियों के लिए अब समय आ गया है कि वे सेवारत कर्मियों और नागरिक सदस्यों को मार्गदर्शन प्रदान करें। उन्होंने कहा कि वे अपने गृह राज्य में आदिवासी समुदाय के सदस्यों के गांवों से पलायन को रोकने में योगदान देने की योजना बना रहे हैं। जनरल द्विवेदी ने बताया, ''मैं 'आहिस्ता जिंदगी' नाम से एक कैफे खोलने की भी योजना बना रहा हूं। क्योंकि आज इतनी भागदौड़ भरी जिंदगी है कि आप थक चुके हैं। आपके पास रुकने, सोचने-समझने और निर्णय लेने का समय नहीं है।''

प्रधानमंत्री मोदी के इस्तीफे की मांग को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को विजयेंद्र का करारा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने शनिवार को कहा कि अगर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार हालिया ईंधन मूल्य वृद्धि को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की उम्मीद करते हैं, तो कांग्रेस के इन दोनों नेताओं को दो साल पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था। सिद्दरामय्या द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की निंदा करने और इसे तत्काल वापस लेने की मांग करने के एक दिन बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की यह टिप्पणी आई है।

मुख्यमंत्री ने मोदी के इस्तीफे की भी मांग की थी तथा उन्हें जनता के साथ विश्वासघात करने, अर्थव्यवस्था का कुप्रबंधन करने तथा आम परिवारों को और अधिक कठिनाई में धकेलने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। सिद्दरामय्या की मांग खारिज करते हुए उन्होंने पूछा, क्या देश में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह नहीं पता कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं? अगर वे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के लिए प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, तो सिद्दरामय्या और शिवकुमार को दो साल पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था।

उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में बताया कि राज्य में कांग्रेस सरकार ने बिना कोई कारण बताए पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। भाजपा नेता ने विपक्ष से आग्रह किया कि वे केवल विरोध करने के लिए विरोध न करें।

पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण ईंधन खुदरा विक्रेताओं को हो रहे भारी नुकसान के बीच, शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, जो चार साल से अधिक समय में पहली बार हुई है।

यह वृद्धि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव समाप्त होने के कुछ हफ्तों बाद हुई है। विजयेंद्र ने इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव समाप्त होने तक जानबूझकर मूल्य वृद्धि में देरी की गई थी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव को ध्यान में रखकर कोई निर्णय नहीं लेते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने मेट्रो से किया सफर

बेंगलूरु । कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने शनिवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और ईंधन की बढ़ती कीमतों को देखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील का पालन सभी नागरिकों को करना चाहिए। बेंगलुरु में आधिकारिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए सार्वजनिक परिवहन (मेट्रो रेल) ङ्कङ्कसे यात्रा करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि वैश्विक युद्ध जैसी स्थिति और उसके आर्थिक परिणामों ने न केवल भारत को बल्कि दुनियाभर के देशों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईंधन बचाने की अपील की है। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है, देश के हर नागरिक को इस बारे में सोचना चाहिए। प्रधानमंत्री द्वारा अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम करने का जिक्र करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व भी इसी सिद्धांत का पालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम कर दी है। उनकी अपील का पालन करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी ऐसा ही कर रहे हैं। यह एक अच्छा विचार है। हमें गाड़ियों का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए। विजयेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नागरिकों को जहां भी संभव हो, बसों और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया है। वह देश के हर नागरिक के लिए एक आदर्श हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उनकी अपील का पालन करना मेरा कर्तव्य है।

विजयेंद्र ने बताया कि वह बेंगलुरु के बाहरी इलाके कुंबलगोडु में एक पार्टी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं और आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर का आशीर्वाद लेने के लिए 'आर्ट ऑफ़ लिविंग सेंटर' भी जाएंगे।

नेता प्रतिपक्ष अशोक ने एसआईआर का बचाव किया

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने शनिवार को कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाना है तथा यह राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के लिए है। उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि एसआईआर अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के मुद्दे का भी समाधान करेगा। भाजपा नेता ने इस प्रक्रिया का विरोध करने वालों से सवाल किया। उन्होंने पूछा, वे इस प्रक्रिया से क्यों डरते हैं? कर्नाटक में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन का अगला चरण 20 जून से शुरू होगा, जिसमें 5.5 करोड़ से अधिक मतदाता शामिल होंगे।

भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस प्रक्रिया में 30 जून से बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा एक महीने तक घर-घर जाकर सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। अशोक ने कहा, कुछ मुस्लिम संगठनों ने एसआईआर का विरोध किया है। भारत में दो करोड़ से अधिक अवैध बांग्लादेशी प्रवासी हैं।

उन्होंने कहा, इनमें से अधिकतर पश्चिम बंगाल में हैं, इसके बाद असम और बिहार का स्थान आता है। कर्नाटक में 10 लाख से अधिक बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। अगर कोई इस पर मुझे चुनौती देता है, तो मैं उन्हें बेंगलूरु के उन इलाकों को व्यक्तिगत रूप से दिखाने के लिए तैयार हूं जहां वे रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि पत्रकारों से बातचीत में वर्तमान आयुक्त के नेतृत्व में बेंगलूरु पुलिस ने लगभग 250 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान की है और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया है।

केंद्र नीट-यूजी परीक्षा रद्द करे, राज्यों को सीईटी कराने का अधिकार दे : कर्नाटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को केंद्र से शैक्षणिक वर्ष 2026 से राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) परीक्षा रद्द करने और राज्यों को अपनी पारदर्शी एवं मेधा-आधारित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) आयोजित करने की शक्तियां बहाल करने की अपनी मांग दोहराई। राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने एक बयान में रेखांकित किया कि कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) के माध्यम से निष्पक्ष, पारदर्शी, छात्र-हितैषी और मेधा-उन्मुख प्रवेश परीक्षाओं के संचालन की एक लंबी परंपरा रही है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में सीईटी प्रणाली ने दशकों से लाखों योग्य छात्रों, विशेष रूप से ग्रामीण, मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को, योग्यता, कड़ी मेहनत और शैक्षणिक निरंतरता के आधार पर व्यावसायिक शिक्षा के अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। मंत्री ने कहा कि कर्नाटक सीईटी मॉडल को इसकी पारदर्शिता, जवाबदेही और कुशल संचालन के लिए व्यापक रूप से सराहा गया है, जिससे मेधावी छात्रों को आत्मविश्वास के साथ अपना भविष्य संवारने में मदद मिली है और युवा पीढ़ी में शिक्षा प्रणाली की अखंडता के प्रति विश्वास पैदा हुआ है।

उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों में नीट के अनुभव ने पूरे देश में गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। पाटिल के मुताबिक, प्रश्नपत्र लीक होने, मूल उम्मीदवार के स्थान पर किसी अन्य के परीक्षा में बैठने, संगठित नकल रैकेट, हेराफेरी, तकनीकी अनियमितताओं और पर्याप्त जवाबदेही की कमी के बार-बार लगने वाले आरोपों और घटनाओं ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा संचालित परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है।

नीट से जुड़े हालिया विवादों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि इन मुद्दों ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों के बीच तनाव एवं अनिश्चितता का माहौल पैदा किया है, वहीं उन्हें मानसिक आघात भी पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में अनुचित साधनों के इस्तेमाल की बार-बार सामने आने वाली खबरों से यह उजागर होता है कि केंद्रीय एजेंसियां ङ्कङ्कराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से निष्पक्ष और त्रुटिरहित परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं।

निमंत्रण

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात कर उन्हें 19 मई को तुमकुरु में आयोजित होने वाले राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने पर 'प्रगतियत्ता कर्नाटक' कार्यक्रम का निमंत्रण दिया। इस दौरान विधायक जे.टी. पाटिल और ए.आर. कृष्णमूर्ति भी उपस्थित रहे।

'बिदादी टाउनशिप' परियोजना में किसानों की जमीन हड़पी जा रही है : देवेगौड़ा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने शनिवार को आरोप लगाया कि 'बिदादी टाउनशिप' परियोजना के नाम पर मुनाफाखोरी के लिए किसानों की जमीनें हड़पी जा रही हैं। उन्होंने इसके खिलाफ संघर्ष शुरू करने की भी घोषणा की। जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक देवेगौड़ा ने बिना नाम लिए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को निशाना बनाया, जो बेंगलूरु विकास मंत्री भी हैं। वह बेंगलूरु दक्षिण जिले के बिदादी में 18,133 करोड़ रुपये की ग्रेटर बेंगलूरु एकीकृत उपनगरीय परियोजना का जिक्र कर रहे थे, जिसे 30 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई थी।

यह परियोजना बेंगलूरु दक्षिण जिले और रामनगर तालुक के नौ गांवों में लगभग 7,481 एकड़ क्षेत्र में फैली होगी। कुछ किसानों और स्थानीय ग्रामीणों ने इस परियोजना का विरोध किया है और भूमि अधिग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

गौड़ा ने कहा, ''यह सरकार व्यापारिक हितों के लिए किसानों की जमीनें हड़पने की कोशिश कर रही है। एक व्यक्ति ने कहा है, ''अगर किसान मुझे पीटेंगे, तो मैं जमीन ले लूंगा।' पहले वह जाकर किसानों का सामना करें, फिर मैं आकर बोलूंगा।'' उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, ''मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया मेरे पुराने दोस्त और पूर्व सहकर्मी हैं। हमने साथ काम किया है। लेकिन मुझे इस बात का गहरा दुख है कि यहां जो कुछ हो रहा है, उस पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।'' देवेगौड़ा ने कहा कि उनके बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने पूर्व में जनविरोध के कारण शहर के आसपास की पांच टाउनशिप परियोजनाओं को रद्द कर दिया था।

तमिलनाडु: विधानसभा चुनावों में विदेशियों के मतदान की जांच के आदेश, चेन्नई में 10 लोग पकड़े गए

चेन्नई/भाषा। निर्वाचन आयोग ने 23 अप्रैल को तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनाव में विदेशी नागरिकों द्वारा 'धोखाधड़ी' से मतदान करने के आरोपों की जांच के आदेश दिए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आयोग की यह कार्रवाई पुलिस द्वारा हाल ही में सौंपी गई रिपोर्ट के बाद हुई है। पुलिस ने 10 विदेशी नागरिकों को विमान में चढ़ने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया था। हवाई अड्डे के अधिकारियों को इन विदेशी नागरिकों की तर्जनी उंगलियों पर अमिट स्याही देखकर संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। चेन्नई पुलिस ने बताया कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में कथित तौर पर मतदान करने के नौ मामलों में 10 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें चेन्नई व मदुरै हवाई अड्डों पर हिरासत में लिया गया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि ये नागरिक श्रीलंका, ब्रिटेन और कनाडा के थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, उन्होंने (विदेशी नागरिकों ने) फर्जी भारतीय पहचान पत्रों का इस्तेमाल कर मतदान किया था। जब उन्होंने भागने की कोशिश की तो उनकी उंगलियों पर अमिट स्याही के निशान मिले। उन्होंने बताया कि केंद्रीय अपराध शाखा ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारी ने बताया कि आयोग के नियमों के अनुसार, विदेश में रहने वाले मतदाता का भारत का नागरिक होना अनिवार्य है, जिसने किसी अन्य देश की नागरिकता प्राप्त न की हो और भारतीय नागरिकता त्याग चुके लोगों को मतदान करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने बताया कि अनिवासी भारतीय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 20ए के तहत पंजीकरण करा सकते हैं और उन्हें मतदान केंद्र पर अपना मूल भारतीय पासपोर्ट प्रस्तुत करना होता है।

केसी वेणुगोपाल के आलोचकों को आत्मसंतुष्टि मिले : कांग्रेस नेता राघवन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस नेता एम. के. राघवन ने शनिवार को कहा कि जो लोग पार्टी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल को निशाना बना रहे थे, उन्हें ऐसा करने से 'आत्मसंतुष्टि' मिल रही थी। राघवन यहां वेणुगोपाल के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री पद के लिए वी. डी. सतीशन और रमेश चेन्निथला के साथ वेणुगोपाल के नाम पर विचार किया जा रहा था। इसके बाद वेणुगोपाल को विरोध रैलियों, फ्लेक्स बोर्ड और साइबर अभियान के जरिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। ऐसी खबरें भी थीं कि विधानसभा चुनाव न लड़ने के बावजूद कांग्रेस के अधिकतर विधायकों ने वेणुगोपाल का समर्थन किया था।

तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर वेणुगोपाल ने कहा था कि उनके खिलाफ चलाए गए अभियान से वह 'पूरी तरह टूट चुके' हैं।

कर्नाटक सरकार ने राज्य शिक्षा नीति का अध्ययन करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय उपसमिति गठित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य शिक्षा नीति (एसईपी) के अध्ययन और कार्यान्वयन के लिए सिफारिशें देने हेतु शनिवार को छह सदस्यीय मंत्रिमंडलीय उप-समिति का गठन किया। गृह मंत्री जी परमेश्वर की अध्यक्षता वाली इस उपसमिति में कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल, समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल और उच्च शिक्षा मंत्री एम सी सुधाकर अन्य सदस्य हैं। एक सरकारी नोट में कहा गया है कि मंत्रिमंडलीय उप-समिति को राज्य शिक्षा नीति आयोग द्वारा प्रस्तुत अंतिम रिपोर्ट की समीक्षा करने और उचित सिफारिशें करने का कार्य सौंपा गया है।

मंत्रिमंडल ने प्रोफेसर सुखदेव थोराट की अध्यक्षता वाले राज्य शिक्षा नीति आयोग द्वारा की गई सिफारिशों पर सात मई को विस्तृत चर्चा की थी। थोराट ने सात मई को कैबिनेट मंत्रियों के समक्ष एक प्रस्तुति भी दी, जिसके बाद मुख्यमंत्री को मंत्रिमंडल उप-समिति गठित करने का अधिकार देने का निर्णय लिया गया।

राज्य के कानून मंत्री एच के पाटिल ने कहा था कि रिपोर्ट में लगभग आठ खंड हैं और इसमें वित्तीय प्रभाव, मानव संसाधन, पाठ्यक्रम सुधार, मानद विश्वविद्यालय, एकात्मक विश्वविद्यालय और नव स्थापित विश्वविद्यालयों से संबंधित मुद्दों को शामिल किया गया है।

मुलाकात

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने शनिवार को बेंगलूरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से मुलाकात की।

भारत में ईंधन की कीमतों में वृद्धि वैश्विक औसत की तुलना में मामूली : तमिलनाडु भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने शनिवार को दावा किया कि भारत ने ईंधन की कीमतों को नियंत्रण में रखा है, हालांकि उसने प्रति लीटर तीन रुपए की मामूली वृद्धि की है। भाजपा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर पेट्रोल की औसत कीमत आज 145 रुपए प्रति लीटर है।

देश में पिछले चार वर्षों से एक ही कीमत पर बिकने वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बृहस्पतिवार सुबह से तीन रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की गई।

अमेरिका-ईरान युद्ध से वैश्विक तेल आपूर्ति में भारी व्यवधान उत्पन्न हुआ। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का 85 प्रतिशत आयात करता है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने और बढ़ते संघर्ष और जवाबी कार्रवाई के तहत की गई नाकाबंदी के बाद, तेल टैंकरों का आवागमन 90-95 प्रतिशत तक कम हो गया (129-140 जहाजों से घटकर सात से भी कम हो गया)। सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, इराक और ईरान सहित खाड़ी देशों से तेल का निर्यात काफी हद तक रुक गया है। संघर्ष के प्रभाव के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि ईरान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों के परिणामस्वरूप तेल क्षेत्रों, रिफाइनरियों और पाइपलाइनों को भारी नुकसान हुआ, जिससे अप्रैल और मई में प्रतिदिन के तेल उत्पादन में 10 मिलियन बैरल की कमी आ गई।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. 11/SBC/26, दिनांक: 05.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत
1	**क्षेत्र जे:** सहायक मंडल इंजीनियर/यशवंतपुर उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर केएसआर बेंगलूरु (छोड़कर) - यशवंतपुर (वायपीआर), यलहंका (वायएनके) (छोड़कर) क्षेत्राधिकार पर कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 4,01,78,488/-
2	**क्षेत्र के:** सहायक मंडल इंजीनियर/यशवंतपुर उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर यशवंतपुर (छोड़कर) से संपिगे रोड (सहित) (सहित) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 3,48,50,230/-
3	**क्षेत्र आई:** सहायक मंडल इंजीनियर/हिंदूपुर उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर माकाजिपल्ली (एमकेजे) मार्ग से दोडबल्लापूर (डीबीयू) (सहित) से धर्मावरम (डीएमएम) (छोडकर) और श्री सत्य साई प्रशांति निलयम (एसएसपीएन) मार्ग से पेनुकोंडा (पीकेडी) से धर्मावरम (डीएमएम) (छोडकर) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 4,53,13,915/-
4	**क्षेत्र एन:** सहायक मंडल इंजीनियर/यशवंतपुर उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर चन्नसंद्रा (सीएसडीआर) (सहित) - दोडबल्लापूर (डीबीयू) (छोडकर) और यलहंका (वायएनके) (स्टेशन सहित) - चिंतामणी (सीएमवाय) (छोडकर) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 2,40,16,876/-
5	**क्षेत्र एफ:** सहायक मंडल इंजीनियर/बंगारपेट उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर जोलारपेट्टै (छोडकर) - मालूर (छोडकर), मारिकुप्पम (एमकेएम) - बंगारपेट (बीडब्ल्यूटी) - कोलार (केक्यूझड) - चिंतामणी (सीएमवाय) पर कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 4,04,58,055/-
6	**क्षेत्र डी:** सहायक मंडल इंजीनियर/बेंगलूरु उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर बेंगलूरु पूर्व (बीएनसीई) से मालूर (एमएलओ) (सहित) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 3,85,64,832/-
7	**क्षेत्र बी:** सहायक मंडल इंजीनियर/बेंगलूरु उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर सर एम विश्वेश्वराया टर्मिनल, बेंगलूरु (एसएमवीबी) स्टेशन बिल्डिंग, सर्वीस इमारतों, प्लॉटफार्मों और सर्क्युलेटिंग प्रदेश पर रखरखाव कार्य।	रु. 2,12,78,868/-
8	**क्षेत्र पी:** सहायक मंडल इंजीनियर/बेंगलूरु उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर डीजल लोको शेड, कृष्णराजपुरम (केजेएम) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 1,09,25,069/-
9	**क्षेत्र सी:** सहायक मंडल इंजीनियर/कुनिगल उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर चिक्क बणावरा (बीएडब्ल्यू) (छोड़कर) से हासन (एचएएस) (छोड़कर) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 3,20,00,000/-
10	**क्षेत्र एम:** सहायक मंडल इंजीनियर/धर्मपुरी उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर केलमंगलम (केएमएलएम) से लोट्टेगोल्लहल्ली (एलओजीएच) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 3,43,66,244/-
11	**क्षेत्र एल:** सहायक मंडल इंजीनियर/धर्मपुरी उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर ओमलूर जंक्षन (ओएमएल) से केलमंगलम (केएमएलएम) तक तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 3,43,66,244/-
12	**क्षेत्र जी:** सहायक मंडल इंजीनियर/मंड्या उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर केएसआर बेंगलूरु (एसबीसी) (छोडकर) - येलियूर (वाय) (सहित) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 2,20,00,000/-
13	**क्षेत्र ए:** सहायक मंडल इंजीनियर/मंड्या उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर आईआरआईडीएम पर हेज्जाला में कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 77,01,950/-
14	**क्षेत्र एस:** सहायक मंडल इंजीनियर/जी/बेंगलूरु उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर केएसआर बेंगलूरु (एसबीसी) और बेंगलूरु कंटोनमेंट (बीएनसी) स्टेशन एरिया तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 5,78,06,672/-
15	**क्षेत्र एच:** सहायक मंडल इंजीनियर/जी/बेंगलूरु उप विभाग के क्षेत्राधिकार पर केएसआर बेंगलूरु (एसबीसी) और बेंगलूरु कंटोनमेंट (बीएनसी) तक कर्मचारी गृह और सर्वीस इमारतों पर वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य।	रु. 5,76,30,672/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 01.06.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/118/AAF/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / बेंगलूरु

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

विकसित देश के संकल्प में राजस्थान प्रगति का इंजन बने इसलिए विकास रथ के सारथी बने : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। डूंगरपुर जिले में चल रहें ग्राम रथ अभियान में शुक्रवार को ग्राम पंचायत भीलूडा में संध्या-रात्रि चौपाल के दौरान केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित देश के संकल्प में राजस्थान प्रगति का इंजन बने इसलिए विकास रथ के सहभागी नहीं बल्कि सारथी बने। उन्होंने राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा गांव-गांव तक योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने तथा अंतिम पंक्ति में बैठे गरीब वंचित व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच बनाने, उसे जागरुक कर लाभान्वित करने के ग्राम रथ अभियान के इस प्रयास की भुरी भुरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ग्राम रथ अभियान जनता के साथ सीधा जुड़ने का प्रयास है, जो सराहनीय है। पहले योजनाओं का लाभ सीमित लोगों को मिल पाता था लेकिन केंद्र सरकार एवं राजस्थान सरकार वंचित, गरीब, महिला किसान, युवा के लिए संकल्प बद्ध होकर कार्य कर रही है।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने राजस्थान में खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत चलाई गई गिव अप अभियान कि सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से समाज एवं देश को परिवर्तित करने का काम किया है । लाखों लोगों के गिव अप करने से पात्र लोगों को लाभ मिल पाएगा।

उन्होंने कहा कि हर घर तक जल पहुंचाना सरकार का संकल्प है। पहले देश में केवल कुछ लोगों तक पानी पहुंचता था लेकिन हर घर नल जल योजना से देश में 84% लोगों तक पानी पहुंचा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं का आत्म सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है। महिलाओं की देश के विकास में भागीदारी के साथ-साथ नेतृत्व बढ़ाने का संकल्प किया है।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धरती हमारी मां है और उसका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। अगर पिछली पीढ़ी ने जल, जंगल और जमीन को संभाला तथा शुद्ध बनाएं रखा तो ऐसे में हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अगली पीढ़ी को वैसा ही सौंपे। उन्होंने कहा कि उर्वरक के अधिक इस्तेमाल से धरती बांझ होती है जबकि प्राकृतिक खेती में उत्पाद की गुणवत्ता तो बढ़ती है खर्चा भी कम होता है। उन्होंने बताया कि एक गाय से 25 एकड़ जमीन के लिए खाद मिल सकती है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों की समस्या को समझते हुए उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए किसान सम्मान निधि की शुरुआत की और उसमें राज्य सरकार ने पहल करते हुए अपनी भागीदारी देकर प्रदेश में प्रत्येक किसान के किसान सम्मान निधि की राशि में इजाफा कर दिया और पूरे सम्मान के साथ प्रत्येक किसान के खाते में सीधे सम्मान निधि की राशि पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले योजनाओं का लाभ सीमित लोगों को मिलता था लेकिन केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने हर गरीब हर वंचित के घर तक अपनी पहुंच बनाते हुए बिजली, पानी, गैस चुल्हा, सम्मान निधि, जनधन खाता, खाद्य सुरक्षा आदि हर योजना को पहुंचाने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार 'विरासत भी और विकास भी' के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। हम अपनी विरासत और परंपराओं का संरक्षण कर उनका निर्वहन करते हुए संकल्प बद्ध होकर देश और प्रदेश को विकसित करने का कार्य कर रहें है। उन्होंने कहा कि गर्मियों में ओवरलोड होने से विद्युत की समस्या प्रायः आती है, ऐसे में समाधान करने के साथ-साथ अधिकारी उपभोक्ताओं के साथ संवाद करते हुए संवेदना के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को न्यूनतम व्यवधान से गुणवत्ता पूर्वक बिजली उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबोधन के प्रारंभ में रघुनाथ की भूमि पर आना अपना परम सौभाग्य बताते हुए वागड़ की गौरवशाली परंपरा,वागड़ के वीर सपूतों, शहीदों, संत महात्माओं को नमन करते हुए कहा कि गौरवशाली परंपरा के वाहक वागड़ के वीरों ने जंगलों में रहकर संस्कृति को बचाने के लिए खुद समर्पित किया है, उनका वंदन और अभिनंदन है। मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि रात्रि चौपाल संवाद और जनसुनवाई का अवसर प्रदान करती है। आमजन की छोटी-बड़ी समस्याओं को रात्रि चौपाल के माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाने तथा समाधान का कार्य हो रहा है। उन्होंने देर रात तक ग्रामवासियों की परिवेदना को सुना तथा जिला कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी लेते हुए समाधान के लिए दिशा निर्देश प्रदान किये।

बीएनआई इंडिया का दो दिवसीय सम्मेलन जयपुर में शुरू

जयपुर। बिजनेस नेटवर्किंग संगठन बीएनआई इंडिया का दो दिवसीय सम्मेलन शनिवार को यहां शुरू हुआ। आयोजकों के अनुसार इस आयोजन में देश और विदेश से उद्यमी, उद्योग जगत के दिग्गज और पेशेवर भाग ले रहे हैं। इसके अनुसार यह दो दिवसीय सम्मेलन जयपुर में पहली बार हो रही है। बीएनआई इंडिया के निदेशक हेमू सुवर्णा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भरोसेमंद कारोबारी संबंध बनाने और दीर्घकालिक विकास के अवसरों को बढ़ावा देने का मंच तैयार करना है। इस सम्मेलन में देश भर से और पड़ोसी देशों के उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों, व्यवसाय मालिकों और निर्णय लेने वालों की भागीदारी देखने को मिल रही है। इसमें बीएनआई के वैश्विक नेतृत्व और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी शामिल है।

पति ने गर्भवती पत्नी को बुरी तरह पीटा, जबरन गर्भपात की गोलियां खिलाईं; मौत हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक व्यक्ति ने अपनी 41 वर्षीय गर्भवती पत्नी को कथित तौर पर बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने बताया कि मृतक महिला की बेटी के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया यह घटना बुधवार रात हमीरगढ़ थाने की बीएसएल कॉलोनी में हुई। आरोपी गोपी सिंह यादव ने अपनी पांच महीने की गर्भवती पत्नी रोली देवी को कथित तौर पर बुरी तरह पीटा। महिला को गंभीर चोटें आईं जिसके कारण उसका गर्भपात हो गया और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे उसकी मौत हो गयी।

इस दंपति की 14 वर्षीय बेटी ने पुलिस को दिए अपने बयान में आरोप लगाया कि उसके पिता ने सुबह से ही उसकी मां को पीटना शुरू कर दिया और पूरे दिन रुक-रुककर उसे पीटते रहे। उसने आरोप लगाया कि उसका पिता दिन में बाजार गया और गर्भपात की गोलियां लाया। उसने उसकी मां को ये गोलियां जबरदस्ती खिला दीं जिससे उसकी हालत और बिगड़ गई। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) हरजीराम ने बताया कि दंपति की बेटी के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि दंपति के बीच घरेलू विवाद के कारण यह घटना हुई होगी।

पोस्टमॉर्टम करने वाले मेडिकल बोर्ड ने इस मामले को क्रूर बताया। मेडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. चेतन कुमार ने बताया कि महिला के सिर, चेहरे, कमर और निजी अंगों पर एक दर्जन से अधिक चोट के निशान थे जो भयानक शारीरिक हमले की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि महिला की कोई हड्डी नहीं टूटी थी लेकिन कई चोटें स्पष्ट रूप से लगातार हुई मारपीट के संकेत देती हैं। जबरदस्ती गर्भपात के भी संकेत मिले हैं।''

महात्मा गांधी अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि महिला को अत्यधिक रक्तस्राव की स्थिति में गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था और तमाम प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। पुलिस के अनुसार पीड़ित महिला के परिजन उत्तर प्रदेश से भीलवाड़ा पहुंचे। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। दंपति के चार बच्चे हैं और बताया जा रहा है कि घटना के समय वे सभी घर पर ही मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों को भी करें आत्मसात : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने युवाओं का आव्हान किया है कि वे विज्ञान को आध्यात्म, तकनीक को संस्कृति और आधुनिकता को मानवता से जोड़ें। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी दुनिया को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। युवा पीढ़ी शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों को भी आत्मसात करेंगे तो आने वाले कल का परिदृश्य देश के लिए स्वर्णिम होगा। देवनानी शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित निर्वाण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व को शून्य,आयुर्वेद, योग, ध्यान और आध्यात्म का विज्ञान दिया है। आज भारत अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक, चिकित्सा, रक्षा अनुसंधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी शक्तियों में शामिल हो रहा है। यह परिवर्तन तकनीकी उपलब्धियों का नहीं, उस चेतना का प्रमाण है जो सदैव ज्ञान को मानव कल्याण से जोड़ती आई है। देवनानी ने कहा कि डिग्री केवल कागज मात्र नहीं है, यह मानव जीवन का पवित्र दायित्व है। निर्वाण विश्वविद्यालय ने जिस दर्शन को अपनाया है वह है ज्ञानार्जन को जीवन-निर्माण से जोड़ना यह अद्वितीय है। देवनानी ने कहा कि आरोग्य संस्कृति विकसित करें और भारत को स्वास्थ्य गुरु बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सम्बन्धी शिक्षा में नवाचार, अनुसंधान और मानवीय मूल्यों का संगम राजस्थान की मिट्टी से उपजा है, जिसका प्रभाव पूरे विश्व पर आयेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने जीवन को इतना ऊँचा बनाइए कि आपकी सफलता केवल आपका परिचय न बने, बल्कि भारत की आत्मा का परिचय बने। विशिष्ट अतिथि गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि प्राचीन काल में भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी लोग अध्ययन के लिए आते थे। आज जरूरत हमें उसी मूल में लौटने की है। ऐसे संस्थान बनें कि अन्य देशों के लोग भारतीय संस्कृति, भारतीय दर्शन और अध्यात्म को पढ़ने और समझने के लिए वापस भारत आए। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष जोर दिया।

राज्यपाल के सलाहकार (उच्च शिक्षा) प्रो. कैलाश सोडाणी ने कहा कि शोध और नवाचार के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नई सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जिससे समाज और राष्ट्र को नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) राजा बाबू पंवार की विशेष उपस्थिति भी रही। इस अवसर पर निर्वाण चैरिटेबल ट्रस्ट गंगानगर के चेयरपर्सन डॉ मंजीत सिंह निर्वाण ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ.एस.एल.सिहाग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के वर्षों के परिश्रम, अनुशासन और उपलब्धियों का उत्सव है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान को समाजहित में उपयोग करने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. एस. एल. गोदारा ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उपकुलपति प्रो. भावना देथा ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह संस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता ही विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी पहचान है।

भामाशाह टेक्नो हब में आधुनिक सुविधाओं से स्टार्टअप्स को मिल रहा सशक्त मंच : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को झालाना, जयपुर स्थित भामाशाह टेक्नो हब का दौरा कर वहां संचालित स्टार्टअप्स, इनक्यूबेशन सेंटर तथा वहां किए जा रहे नवाचारों का अवलोकन किया। उन्होंने युवा आंत्रप्रेन्योर्स से संवाद कर उनके स्टार्टअप्स, नवाचारों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने भामाशाह टेक्नो हब में मिल रही आधुनिक सुविधाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने इन्क्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप्स को उलब्ध करवाए जा रहे सीटिंग स्पेस, टिंकरिंग लैब, स्लीपिंग पॉड्स, कॉन्फ्रेंस हॉल, जिम्नेजियम, कैफेटेरिया आदि सुविधाओं की जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर युवा आंत्रप्रेन्योर्स को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान 2047 के निर्माण में तकनीक आधारित नवाचार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा संचालित आईस्टार्ट कार्यक्रम इस लक्ष्य की पूर्ति में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि तकनीक, उत्कृष्टता एवं नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स के माध्यम से राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही युवाओं की नवाचार क्षमता एवं तकनीकी दक्षता प्रदेश को आत्मनिर्भर एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है, जिससे स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने के व्यापक अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

आने वाले दिनों में इसे और गति दी जाएगी। उन्होंने ड्ढ्एच् (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथेमेटिक्स) शिक्षा को बढ़ावा देने, स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े विभागों के साथ लिंकेज बनाने और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ अधिक से अधिक एंगेजमेंट के अवसर प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि अब स्टार्टअप्स को क्यूरेट कर अगले स्तर तक ले जाने की आवश्यकता है, ताकि वे रोजगार सृजन कर आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रभावी माध्यम बन सकें।

कार ने चौराहे पर खड़े चार दोस्तों को रौंदा, एक की मौत

भीलवाड़ा। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। हरिपुरा चौराहे पर खड़े होकर आपस में बात कर रहे चार दोस्तों को एक तेज रफ्तार कार ने बेरहमी से कुचल दिया। इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मोनू, सलमान, संजय और टीपू नामक ये चारों युवक एक स्थानीय ईंट भट्टे पर मजदूरी का काम करते थे। शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे चारों दोस्त काम खत्म करने के बाद हरिपुरा चौराहे पर स्थित एक थड़ी (केबिन) के पास खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बेहद तेज गति में आई एक बेकाबू कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टक्कर लगते ही चारों दोस्त हवा में उछलकर काफी दूर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद चौराहे पर चीख-पुकार मच गई और भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद चारों को मांडल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहाँ डॉक्टरों ने मोनू को मृत घोषित कर दिया।

विकसित भारत के निर्माण में युवाशक्ति निभाएगी अग्रणी भूमिका : जोगाराम पटेल

जयपुर/दक्षिण भारत। विद्या भारती के आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक मणाई का वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह शनिवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में परम पूज्य संत नारायणगिरी जी महाराज एवं परम पूज्य संत अमृतराम जी महाराज का पावन सानिध्य रहा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार शैक्षणिक उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के लिए अनवरत काम कर रही हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाशक्ति अग्रणी भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि विद्या भारती संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ विकसित,समर्थ और सक्षम भारत के निर्माण के लिए संकल्पबद्ध है। पटेल ने कहा बजट घोषणा के अनुरूप विद्यालयों के अवसंरचना विकास के लिए 2 हजार करोड़ रुपये की राशि से विद्यालय आधारभूत संरचना कोष की स्थापना की जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 51 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 500 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू की जायेगी। विधि मंत्री ने कहा प्रदेश के एक हजार विद्यालयों में एआई आधारित पर्सनलाइज्ड लर्निंग लैब्स की स्थापना की जायेगी। एक हजार करोड़ रुपये की लागत से 400 विद्यालयों को 'सीएम-राइज' स्कूलों में क्रमोन्नत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 44 हजार से अधिक छात्राओं को स्कूटी और 13 लाख से अधिक छात्राओं को साइकिल वितरित की है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा विद्यार्थियों में करूणा का भाव विकसित करना विद्यालयों का दायित्व है, जिससे उनमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना फलीभूत हो। जिस देश के बच्चे अपनी विरासत को जानते हैं, उस देश के विकास को कोई भी नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालय हमारी सनातन संस्कृति,सांस्कृतिक विरासत और भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराते हैं, जो हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्षों में संजोई है।

विधान सभा के 75 वर्ष के अवसर पर होगा प्रतीक चिन्ह का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया है कि राजस्थान विधान सभा की स्थापना के 75 वें वर्ष के अवसर पर विधान सभा के प्रतीक चिन्ह का विमोचन और विधान सभा के ऐतिहासिक द्वारों के नामकरण की पट्टिकाओं का अनावरण विधान सभा में सोमवार 18 मई को होगा। विधायक कक्ष में सोमवार को प्रातः 10:30 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित विधायक गणों को आमंत्रित किया गया है। समारोह का सजीव प्रसारण विधानसभा के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी ने गत ढाई वर्षों में राजस्थान विधान सभा में बेहतरीन पहलें कर नवाचारों की श्रृंखला बना दी हैं। इससे राजस्थान विधान सभा की देश में अनूठी पहचान बनी है। यह विधान सभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभा भी बन गई है। देवनानी ने गुलाबी नगर की पहचान के अनुरूप विधान सभा सदन के स्वरूप में नवाचार कर उसे गुलाबी किया है।

राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध : कुमावत

जयपुर। बाड़मेर जिले के प्रभारी मंत्री एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत तथा उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने शुक्रवार को बाड़मेर जिले की नोखड़ा तहसील की ग्राम पंचायत बूठ जैतमाल में आयोजित रात्रि चौपाल में आमजन की समस्याएं सुनीं तथा ग्रामीणों से संवाद कर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, विद्युत, सड़क, नहरी पानी की आपूर्ति, जल जीवन मिशन के कार्यों, राजस्व, कृषि योजनाओं एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न समस्याएं मंत्रियों के समक्ष रखीं। इस पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। बाड़मेर प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आमजन को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

अधिकांश भागों में तेज गर्मी की चेतावनी

जयपुर। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान के अधिकांश भागों में शनिवार से तापमान में बढ़ोतरी से तेज गर्मी का दौर एक बार फिर शुरू होगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार 16 मई से राज्य में तापमान एक बार फिर बढ़ेगा। पश्चिमी राजस्थान में तीव्र गर्मी का दौर शुरू होगा। मौसम विभाग के अनुसार वहीं राज्य के दक्षिण पूर्वी भागों में भी आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस रहने व 16 मई से एक बार फिर तेज गर्मी पड़ने की संभावना है। इसी तरह 16-17 मई को बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर व भरतपुर संभाग के उत्तरी भागों में कहीं कहीं मेघगर्जन के साथ आंधी आ सकती है। विभाग के अनुसार साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, हल्की बूंदा बांदी भी हो सकती है। राज्य में शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान कई जगह उष्ण रात्रि व उष्ण लहर दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस फलोदी में रहा।

अब विकास, कानून-व्यवस्था और सुशासन के लिए जाना जाता है उत्तर प्रदेश : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का मानना है कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में 'उल्लेखनीय' बदलाव आया है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने पिछले नौ वर्षों में देश में एक मजबूत पहचान बनाई है।

पुरी ने शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा, केंद्रीय मंत्री के रूप में पिछले कुछ वर्षों में मैंने उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन देखा है, वह अद्भुत है। ऐसा उदाहरण देश में कहीं और देखने को नहीं मिलता।

पुरी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 के बाद उत्तर प्रदेश ने विकास, सुशासन और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि पहले जहां राज्य की चर्चा जनसंख्या और चुनौतियों को लेकर होती थी, वहीं अब यह निवेश, कानून-व्यवस्था और विकास के लिए जाना जाता है। बेहतर कानून-व्यवस्था ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है और राज्य निवेश का पसंदीदा गंतव्य बन गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दृढ़ प्रशासक हैं, जिनमें हर विषय को गहराई से समझने और निर्णय को प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता है। उन्होंने एथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर मुख्यमंत्री के साथ हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रहित में इस प्रस्ताव को उत्तर प्रदेश में लागू करने पर बल दिया है।

गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को उन्होंने मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताया।

गोरखपुर में विश्वस्तरीय खेल परिसर का निर्माण होगा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को घोषणा की कि गोरखपुर में विश्वस्तरीय खेल परिसर का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को गोरखपुर में 393 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि स्टेडियम से सटी 60 एकड़ भूमि पर विश्वस्तरीय खेल परिसर भी विकसित किया जाएगा।

ताल नदोर क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 46 एकड़ क्षेत्र में 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाला एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा, जबकि 60 एकड़ में बनने वाले खेल परिसर में सभी प्रकार के इंडोर खेलों की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा हॉकी जैसे आउटडोर खेलों की भी व्यवस्था होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत द्वारा बोली लगाए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत की वैश्विक भागीदारी को बढ़ा रहे हैं और भारतीय खिलाड़ियों को अपने ही देश में प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे और भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। इन आयोजनों से देश की युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्टेडियम और खेल परिसर (स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) के निर्माण से क्षेत्र में होटल, रेस्तरां और बाजारों का विकास होगा, जिससे रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि कुछ वर्ष पहले ताल नदोर की जमीन बंजर और अतिक्रमण से ग्रस्त थी। अब सरकार ने उसे अतिक्रमण मुक्त कर युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए उपयोग में लाने का निर्णय लिया है। इसी क्षेत्र में पशु चिकित्सा महाविद्यालय भी स्थापित किया जा रहा है।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब तक 550 पदक विजेताओं को उत्तर प्रदेश में सीधी भर्ती के माध्यम से सरकारी नौकरी दी जा चुकी है।

मथुरा के स्कूल में बेटी के उल्टी करने के बाद मां से साफ कराया गया फर्श

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में एक निजी स्कूल में तीन साल की बच्ची के उल्टी करने पर उसकी मां से फर्श साफ करवाने का मामला सामने आया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बच्ची की मां प्रियंका शर्मा ने बताया कि बालाजी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में नर्सरी में पढ़ने वाली उनकी तीन वर्षीय बेटी की आठ मई को तबीयत खराब हुई और उल्टी होने लगी। शर्मा ने कहा कि स्कूल ने इलाज की व्यवस्था करने के बजाय बेटी को दो घंटे तक उसी हालत में रखा, उन्हें बुलाकर फर्श साफ करवाया और दाखिला रद्द करने की धमकी भी दी। मामला तब सामने आया जब घटना की सूचना मिलने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) कार्यकर्ताओं ने स्कूल के बाहर हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

बंगाल सरकार ने पुलिस कल्याण बोर्ड भंग किया, शुभेंदु ने कहा- पुलिसकर्मियों पर हमले बर्दाश्त नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने शनिवार को पुलिस कल्याण बोर्ड को भंग कर दिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह जानकारी दी।

दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और कानून-व्यवस्था सख्ती से लागू की जाएगी। शुभेंदु ने पुलिसिंग और प्रशासन पर अपनी सरकार का रुख रेखांकित करते हुए कहा, ''पहले शासकों का कानून था; अब कानून का शासन है।''

उन्होंने कहा, ''पुलिस कल्याण बोर्ड का गठन नेक इरादे से किया गया था। लेकिन अंततः यह एक पार्टी का मुखौटा संगठन बन गया। मुझे नहीं पता कि इससे पुलिसकर्मियों के कल्याण में क्या लाभ हुआ, लेकिन यह अवैध रूप से (नौकरी की अवधि बढ़ाने का) अड्डा बन गया। कुछ लोगों को व्यक्तिगत रूप से इसका फायदा मिला है। आज हम इस बोर्ड को भंग कर रहे हैं।''

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि महिला पुलिसकर्मियों को उनके गृह जिलों के भीतर ही तैनाती में प्राथमिकता दी जाएगी ताकि उन्हें पेशेवर और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने पुलिस को बांग्लादेश के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के नदी क्षेत्रों से होने वाली घुसपैठ के खिलाफ सतर्क रहने को कहा और अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया।

शुभेंदु ने जबरन वसूली के खिलाफ अपनी सरकार का रुख दोहराते हुए कहा कि ऑटो-रिक्शा और टोटो (ई-रिक्शा) चालकों से अवैध धन की वसूली तुरंत बंद होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से विशिष्ट शिकायतों के साथ आगे आने का आग्रह करते हुए कहा, ''पुलिस शिकायतों की जांच करेगी और उसके अनुसार कार्रवाई करेगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर कोई जबरन वसूली में शामिल है, तो इसकी सूचना दें।''

बैठक में विभिन्न जिलों के प्रशासनिक और पुलिसिंग मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें राज्य भर के वरिष्ठ अधिकारियों की डिजिटल उपस्थिति रही।

बंगाल चुनाव के दौरान 'भड़काऊ' बयान देने के आरोप में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शनिवार को कहा कि हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव के दौरान 'भड़काऊ' बयान देने के आरोप में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता राजीव सरकार द्वारा पांच मई यानी विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद उत्तर 24 परगना जिले के बागुईआटी थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने चुनाव बाद हिंसा और मतगणना प्रक्रिया को लेकर भड़काऊ टिप्पणी की थीं। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि बनर्जी की कथित भड़काऊ टिप्पणियां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जुड़ी थीं। अधिकारी ने कहा, ''शिकायत दर्ज होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए 15 मई को बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत साइबर अपराध पुलिस थाने में औपचारिक रूप से एक प्राथमिकी दर्ज की गई।'' उन्होंने बताया कि मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बनर्जी ने 27 अप्रैल से तीन मई के बीच कई चुनावी कार्यक्रमों में भड़काऊ भाषण दिए। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''शिकायतकर्ता का आरोप है कि सार्वजनिक सभाओं में की गई कुछ टिप्पणियां भड़काऊ थीं और उनसे सार्वजनिक व्यवस्था तथा सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका थी। जांच के तहत इन बयानों की सामग्री की पड़ताल की जा रही है।''

सीजेआई सूर्यकांत ने 'परजीवी' वाली टिप्पणी पर दी सफाई : कहा- मीडिया ने गलत तरीके से उद्धृत किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को अपने 'परजीवी' संबंधी बयान पर कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि मीडिया में आई खबरों से उन्हें 'दुख' हुआ है, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने युवाओं की आलोचना की है। प्रधान न्यायाधीश ने एक बयान में कहा, ''मुझे यह पढ़कर दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे द्वारा की गई मौखिक टिप्पणी को गलत तरीके से उद्धृत किया है।'' न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने रेखांकित किया कि उनकी टिप्पणियां विशेष रूप से उन व्यक्तियों को लक्षित थीं जो ''नकली और फर्जी डिग्रियों'' के माध्यम से कानूनी पेशे में प्रवेश कर रहे हैं तथा ''मीडिया के एक वर्ग द्वारा उन्हें गलत तरीके से उद्धृत किया गया।'' यह स्पष्टीकरण शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई को लेकर हुए विवाद के बाद आया है। प्रधान न्यायाधीश ने वरिष्ठ पद की मांग करने वाली याचिका पर एक वकील को फटकार लगाते हुए ''परजीवी'' और 'कॉकरोच' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। सीजेआई सूर्यकांत ने अपनी टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद पर सफाई देते हुए कहा, ''मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी जिन्होंने फर्जी और जाली डिग्रियों की मदद से बार (कानूनी पेशा) जैसे व्यवसायों में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित व्यवसायों में भी घुसपैठ कर चुके हैं, और इसलिए वे परजीवियों की तरह हैं।''

नोएडा के सेक्टर-63 की दो फैक्ट्रियों में भीषण आग, दमकल की 16 गाड़ियों ने पाया काबू

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के डी-ब्लॉक स्थित एक गारमेंट कंपनी और एक बैग निर्माण कंपनी में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों कंपनियां जलकर खाक हो गईं। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-63 के डी-140 स्थित 'ईगल बिजनेस कॉरपोरेशन' नामक कंपनी में दोपहर के समय आग लगी। देखते ही देखते आग ने पूरी कंपनी को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद पड़ोस में स्थित डी-139 की 'शौर्य एक्सपोर्ट' कंपनी भी आग की चपेट में आ गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 16 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सीएफओ के अनुसार, आग लगने के समय फैक्ट्री में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम कर रहे थे। कुछ लोग स्वयं बाहर निकल आए, जबकि अन्य को पुलिस और दमकल कर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाला।

नई सिनेमा नीति का अनावरण और फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करेगा ओडिशा : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घोषणा की है कि उनकी सरकार ओडिया फिल्म उद्योग के पुनरुद्धार के लिए जल्द ही एक विशेष ओडिया सिनेमा नीति लागू करेगी तथा एक फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना भी करेगी।

माझी ने शुक्रवार को ओडिया सिनेमा पर आयोजित एक विशेष संगोष्ठी में भाग लेते हुए यह घोषणा की। उन्होंने फिल्म निर्माताओं से भगवान जगन्नाथ और उनसे जुड़ी ओडिया संस्कृति, कलिंग के समुद्री इतिहास, जनजातीय संस्कृति, चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों के संघर्ष तथा ग्रामीण ओडिशा के सुख-दुख जैसे विषयों पर फिल्म बनाने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री ने फिल्म जगत की कई प्रमुख हस्तियों और कलाकारों के साथ ओडिया सिनेमा की मौजूदा स्थिति और उसके भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा, ''हम जल्द ही एक नई फिल्म नीति लागू करेंगे, जिसका उद्देश्य ओडिया सिनेमा की अपनी अलग पहचान बनाना है।'' माझी ने कहा, ''सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह किसी राष्ट्र की स्मृति, संस्कृति, विचार और आत्मा का सच्चा प्रतिबिंब है।'' ओडिया सिनेमा की लोकप्रियता पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिया फिल्मों को कहीं और से नकल नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनकी अपनी आवाज और पहचान होनी चाहिए। इस संगोष्ठी में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चिलिका, कोणार्क और कोरापुट जैसे रमणीय स्थलों को प्रमुख शूटिंग स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा, स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए ओडिशा में एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

शुभेंदु अधिकारी के सहायक की हत्या का मामला : सीबीआई ने कई स्थानों पर छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रकांत रथ की हत्या के मामले में यहां कई स्थानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान शुक्रवार देर रात शुरू हुआ, जो शनिवार तड़के तक जारी रहा। सीबीआई ने राज्य सरकार के अनुरोध पर चंद्रकांत रथ हत्याकांड की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस से अपने हाथ में ली है। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी ने दिल्ली से विशेष अपराध शाखा के एक उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के नेतृत्व में सात-सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है, जिसमें एजेंसी की विभिन्न इकाइयों से चुने गए अनुभवी जांच अधिकारी शामिल हैं। यह टीम कोलकाता स्थित संयुक्त निदेशक को रिपोर्ट सौंपेगी। शुभेंदु अधिकारी के कार्यकारी सहायक रथ की प. बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के दो दिन बाद छह मई को मध्यग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना मध्यग्राम क्षेत्र के दोहरिया इलाके में हुई थी। राज्य पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। दो आरोपियों- मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य- को बिहार के बक्सर से हिरासत में लिया गया, जबकि तीसरे आरोपी राज सिंह को उत्तर प्रदेश के बलिया से रविवार को पकड़ा गया।

'भारत-बांग्लादेश व्यापार संबंध और सीमा हाट की व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए'

नई दिल्ली/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने भारत-बांग्लादेश ने संबंधों को बहाल करने के लिए 'स्थानीय स्तर' पर बातचीत शुरू की है। उन्होंने इसी के साथ दोनों देशों के बीच लोगों के आपसी संपर्क और व्यापार को फिर से बहाल करने का आह्वान किया। कॉनराड ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं के एक समूह से बातचीत में कहा कि लोगों को दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सहयोग की याद दिलाना महत्वपूर्ण है, जिसमें कठिन समय के दौरान बांग्लादेश को भारत का समर्थन भी शामिल है। उन्होंने अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पड़ोसी देश में 2024 की राजनीतिक अशांति के बाद बंद किए गए सीमावर्ती हाटों को फिर से खोलने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने भारत और बांग्लादेश के बीच वार्ता से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''यह पहले से ही हो रहा है। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। स्थानीय स्तर पर संवाद हो रहे हैं, लोग बातचीत और चर्चा कर रहे हैं।''

असम के मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में देश की पहली एआई आधारित बैंक शाखा का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को गुवाहाटी में देश की पहली कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल तकनीक से संचालित बैंक शाखा का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करना है। स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक की एआई आधारित शाखा का उद्घाटन जीएस रोड पर किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शाखा शहरों के साथ-साथ कम सुविधा वाले इलाकों में भी अधिक लोगों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बैंक की शुरुआत और उसकी विशेष सेवाएं उसी प्रकार के निवेश का उदाहरण हैं, जिसे राज्य सरकार लंबे समय से बढ़ावा दे रही है। शर्मा ने कहा कि इस शाखा का उद्घाटन यह भी दर्शाता है कि असम भविष्य की बैंकिंग व्यवस्था को अपनाने और प्रोत्साहित करने के लिए तैयार है।

उन्होंने बताया कि ग्राहक यूपीआई मंच के जरिए सीधे ऋण सुविधा प्राप्त कर सकेंगे और इसके लिए अलग से आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, इससे छोटे दुकानदारों और महिला उद्यमियों को अपने कारोबार के लिए कुछ ही मिनटों में कार्यशील पूंजी मिल सकेगी।

बलिया में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश, आरोपी रिश्तेदार गिरफ्तार

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी बच्ची का रिश्तेदार है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार की दोपहर 40 वर्षीय आरोपी बच्ची को गांव के एक खंडहर में ले गया और उससे दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़ित बच्ची की दादी की तहरीर पर शुक्रवार को रसड़ा कोतवाली में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आलोक गुप्ता ने बताया कि तहरीर में घटना का वीडियो बनाने का भी उल्लेख है। उन्होंने बताया कि तहरीर में यह भी उल्लेख है कि घटना का वीडियो गांव के एक व्यक्ति ने बना लिया है। सीओ ने बताया कि आरोपी बच्ची का रिश्तेदार है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलने वाली हौसलाअफजाई से प्रेरणा मिलती है : महिला हॉकी कोच मारिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीदरलैंड में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण में अपने नाम से उल्लेख से हर्षित भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि इससे उन्हें और उनकी टीम को विश्व कप समेत आगामी टूर्नामेंटों में और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी ।

द हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में हॉकी के विकास में डच कोचों की भूमिका का जिक्र किया और खास तौर पर मारिन की तारीफ की । उन्होंने भारतीय समुदाय से 15 से 30 अगस्त के बीच नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में भारतीय टीमों की हौसलाअफजाई का आग्रह भी किया ।

मारिन ने भाषा से बातचीत में कहा ,'' मुझे नीदरलैंड से किसी ने यह वीडियो भेजा जो उस समय कार्यक्रम में मौजूद था जहां प्रधानमंत्री मोदी बोल रहे थे । भारतीय हॉकी के लिए उनके समर्थन से मुझे काफी सम्मान और आभार महसूस हुआ ।''

व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के उद्देश्य से मोदी शुक्रवार को अपने पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में नीदरलैंड पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने द हेग में कहा ,'' जैसे क्रिकेट में भारतीयों का योगदान है , वैसे ही भारत की हॉकी में नीदरलैंड का भी बड़ा योगदान है । भारतीय हॉकी को और निखारने में डच कोचों की भी मेहनत रही है । हमारी महिला हॉकी टीम बीते कुछ समय से शानदार प्रदर्शन कर रही है और इसमें कोच शोर्ड मारिन की अहम भूमिका है ।'' उन्होंने कहा ,'' इस वर्ष हॉकी विश्व कप का मेजबान नीदरलैंड भी है । आप सभी को भारत के मैच देखने जरूर जाना है । ये बात पक्की है कि विश्व कप जो भी टीम जीते, लेकिन इसमें भारत और नीदरलैंड की दोस्ती जरूर जीतेगी ।''

यह पूछने पर कि क्या प्रधानमंत्री के उल्लेख के बाद अब उन्हें अच्छे प्रदर्शन का अतिरिक्त दबाव महसूस हो रहा है, मारिन ने कहा कि यह दबाव नहीं बल्कि सकारात्मक उत्साहवर्धन है । उन्होंने कहा ,'' हम हमेशा खुद पर दबाव डालते हैं क्योंकि हमें जीतना और अच्छा प्रदर्शन करना होता है । यह दबाव नहीं बल्कि सकारात्मक उत्साहवर्धन है ।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हारने पर भी टीम का उत्साहवर्धन करते हैं । उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 की यादें ताजा करते हुए कहा ,'' हमें पता है कि जब हम जीत नहीं पाते , तब भी वह हमारे साथ होते हैं । टोक्यो में कांस्य पदक का मुकाबला हारने के बाद उन्होंने हमें उसी तरह फोन किया, जैसे ऑस्ट्रेलिया पर जीत दर्ज करने के बाद किया था । उन्होंने हमारे प्रयासों की सराहना की और कहा था कि देश को हम पर गर्व है ।''

सुविचार

विनम्रता एक ऐसा गुण है, जो बिना पैसे के भी, आपको दुनिया का सबसे अमीर इंसान बना सकता है।

ट्वीट

मैं पहले ही कह चुका हूं कि अशोक गहलोत के न होने से प्रोग्राम की गरिमा कम हो गई। जिस व्यक्ति की बात हो रही है, वह जब भी बीमार पड़े, उन्हें कैंसर था। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, या सिविल लाइंस हो, मैं जब भी उनसे मिला।

-अशोक गहलोत

आज की कई ग्लोबल चुनौतियों के बीच, भारत और नीदरलैंड भविष्य के लिए तैयार सप्लाई चेन बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। एनर्जी सिक्योरिटी से लेकर वॉटर सिक्योरिटी तक, दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं।

-नरेन्द्र मोदी

कहानी

एक प्रतियोगिता

जयंति डिमरी

दो बजे दोपहर का समय। इस समय ज्योतिका प्रसाद को नींद की ऐसी खुमारी आती है कि दुनिया जहान के बाकी सारे कामों के सामने यह नशीली, गुनगुनी धूप की तरह गुदबुदी नींद उन्हें दुनिया की सबसे अमूल्य निधि लगती है। ऐसे समय वह सारे जरूरी रोजमर्रा के कामों को ताक पर रखकर सिर से पैर तक चादर तान बिस्तर पर लेट जाती है। दुनिया के काम तो कभी खत्म नहीं होते, फिर दिन में दो घड़ी आराम कर क्यों न अपने तन-मन को कुछ आराम दिया जाये। अब तो ज्योतिका प्रसाद का बॉडी सिस्टम ऐसा हो गया है कि दोपहर की नींद लेने के बाद वह रात तक के लिए तरोताजा हो जाती है। नींद की एक प्यारी-सी झपकी आयी ही थी कि माइक की 'हैलो, हैलो' की आवाज से ज्योतिका प्रसाद की नींद टूट गई। आज तो हो गयी उनकी सोने की छुट्टी। छह महीने की दौड़धूप के बाद कमरा मिला भी तो कम्युनिटी हॉल के बाजू में। कभी कला विभाग तो कभी संस्कृति विभाग, कभी विमेन्स क्लब तो कभी इनरव्हील क्लब के कार्यक्रम, तंबोला और तीज से लेकर साहित्यिक गोष्ठियों के आयोजन इसी कम्युनिटी हॉल में होते हैं। कौन कहता है कि हम अपनी संस्कृति से विमुख हो रहे हैं। कभी-कभी तो यह नृत्य और संगीत के कार्यक्रम अच्छे लगते हैं लेकिन आज छुट्टी के दिन तो इस कार्यक्रम को झेलना किसी सज़ा से कम नहीं। बिना टिकट और निमंत्रण के पूरे प्रोग्राम का विजुअल न सही पर ऑडियो तो सुनना ही पड़ेगा।

ज्योतिका प्रसाद ने खिड़की से नीचे झांका। कुछ स्कूली बच्चे अपनी स्कूली पोशाक में हाथ में कागज लिये रट्टा लगाते हुए लॉन के चक्कर लगा रहे थे। आज बुद्ध पूर्णिमा की छुट्टी है। जरूर ही बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में किसी वाद-विवाद या भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। बच्चों के भाषणों की कुछ पंक्तियां कानों में पड़ीं'आज विश्व को आवश्यकता है एक बुद्ध की, जो मानव जाति को एक बार फिर अहिंसा और प्रेम का संदेश दे, जिससे संसार में सुख शांति हो।' एक दूसरा प्रतिभागी, जो किसी पब्लिक स्कूल का छात्र होगा एक कोने में रिहर्सल कर रहा था'बुद्धा इज बौर्न वन्स इन ए सेंचुरी! ही इज बौर्न इन द टाइम आफ क्राइसेस एंड कैओस।' 'बुद्ध जैसे एक सदी में एक बार पैदा होते है। वह संकट और अव्यवस्था के समय पैदा होते है।' लगता है जैसे अभी कल ही की बात हो। एक समय था जब ज्योतिका प्रसाद को भी इन भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में अपनी वक्तृता से श्रोताओं को प्रभावित करने में असीम आनंद की अनुभूति होती थी। डायस पर हाथ रखकर, 'अध्यक्ष महोदय एवं निर्णायक गण' को संबोधित कर अंत में श्रोताओं की ओर मुखारित हो अपने स्वर को मंद से मध्यम, मध्यम से तार सप्तक और फिर तार सप्तक से सम पर लाना, तो कभी बुलंद स्वर में डायस ठोकते हुए विपक्षी वक्ताओं के कथ्यों और तर्कों की धज्जियां उड़ा देना, तो कभी अपने अकाट्य तर्कों से प्रतिभागियों के चेहरे को आभाहीन कर देना, फिर निर्णायकों की प्रशंसात्मक दृष्टि और अंत में श्रोताओं की तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान सभाकक्ष! क्या कुछ रोमांचक नहीं होता था उन वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में? किसी वक्ता की कोई शब्दावली या मुखमुद्रा अच्छी लगी तो अगले भाषण में बखूबी उसे अपना लिया। भाषण की समाप्ति पर मंच से नीचे उतरते हुए जो गर्व और विजयाभास होता था वह क्या ओलंपिक खेलों में पदक जीतने से कम था?

अचानक अतीत की इन रोमांचक स्मृतियों को ताजा करने की ज्योतिका प्रसाद की इच्छा बलवती हो उठी। कम्युनिटी हॉल में जाकर देखें तो सही कैसा लगता है इन स्कूली बच्चों को सुनना। वैसे भी नींद तो अब आयेगी नहीं। पहले और अब की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में कुछ अंतर तो जरूर आया होगा। यही सब सोचते हुए वह कम्युनिटी हॉल पहुंच गयी। लॉन में दुर्गादासजी खड़े थे। संस्कृति विभाग में अधिकारी हैं। ऐसे आयोजनों के सिलसिले में अक्सर कम्युनिटी हॉल में आते रहते हैं।

'नमस्कार। आज यहां कैसे आना हुआ?' ज्योतिका प्रसाद ने शिष्टाचारवश दुर्गादासजी से पूछ लिया। 'ड्यूटी पर हूं। आज बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर डिपार्टमेंट ने इंटर स्कूल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया है। मैडम मैं तो आपके बारे में सोच ही रहा था, अच्छा हुआ आप यहां आ गयीं। आज के हमारे फंक्शन में निर्णायक का पदभार आपको संभालना होगा।' 'निर्णायक? क्षमा कीजिये आज छुट्टी का दिन है। कई छोटे-बड़े काम निपटाने होते हैं। मैं तो माइक की आवाज सुनकर यूं ही आ गयी थी।' ज्योतिका प्रसाद ने कहा। 'मैडम आपसे अच्छा निर्णायक इस कार्य के लिए और कौन हो सकता है? लखनऊ विश्वविद्यालय की हिन्दी साहित्य में प्रथम श्रेणी में एम.ए., पीएच.डी., मना मत कीजिये।' दुर्गादासजी बड़े विनम्र स्वर में बोले।

निश्चय ही आज छुट्टी के दिन उन्हें कोई निर्णायक नहीं मिला होगा वरना इससे पहले तो लखनऊ विश्वविद्यालय की एम.ए., पीएच.डी. होने के बावजूद उन्हें आज तक कला औरस स्कृति विभाग से कभी किसी गोष्ठी या सेमिनार का निमंत्रण नहीं मिला था। 'किन्तु इस भाषण प्रतियोगिता में कौन भाग ले रहा है, किस विषय पर भाषण प्रतियोगिता हो रही है, क्या नियम है मुझे तो इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।'

'अरे मैडम। आज बुद्ध पूर्णिमा है। गौतम बुद्ध की समाज में सामयिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता रखी है। लोकल स्कूलों में सभी जगह सर्क्युलर भेज दिया था। प्रतियोगिता का निर्णय देर से लिया गया इसलिए मालूम नहीं कितने स्कूलों से पार्टिसिपेंट्स आते हैं। वैसे कुछ बच्चे तो आ गये हैं। कुछ भी कहें मैडम लेकिन पब्लिक स्कूलों की बात ही कुछ और है। अब देखिये इनमें से ज्यादातर बच्चे पब्लिक स्कूलों से आये हैं। हमारे सरकारी स्कूलों में तो बस हड़ताल करवा लीजिए, एक्स्ट्रा एक्टिविटी के नाम पर तो यह स्कूल जीरो है।' उन्होंने पूछा, 'अन्य निर्णायक कौन है?'

'निर्णायक हमने यूनिवर्सिटी से इतिहास विभाग से बुलाये हैं। दो निर्णायकों की स्वीकृति मिल गयी है, तीसरी निर्णायक तो आप हैं ही।' 'बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर ऐसे आयोजन क्या आप हर साल करते हैं?' ज्योतिका प्रसाद ने पूछा। 'यह आयोजन तो पहली बार हो रहा है। पहले तो छुट्टी डिक्लेयर हो जाती थी। हमें कहा गया बुद्ध पूर्णिमा का फंक्शन सेलिब्रेट करो। हमने कहा ठीक है। भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कर लेते हैं।' दुर्गादासजी के स्वर से जाहिर था इस आयोजन में वह बेमन से शरीक थे। इतने में कौशलजी भी पहुंच गये। कला और संस्कृति विभाग के दूसरे पदाधिकारी। आते ही दुर्गादासजी पर अपनी नाराजगी जाहिर की। 'आप यहां खड़े हैं और मैं डिपार्टमेंट में फोन किये जा रहा हूं। किसी ने फोन नहीं उठाया।'

'मेरी ड्यूटी तो यहां लगी हैं। आपको पता तो है फोन डायरेक्टर साहब के कमरे में है। मैं भी शर्मा के फोन का इंतजार कर रहा हूं। प्राइज खरीदने के लिए उससे कहा था। पता नहीं सर्टिफिकेट भी उसने तैयार किये या नहीं। नाश्ते का इंतजाम हो गया होगा?' 'कहां से हुआ?' कौशलजी झल्लाये। 'इसीलिए तो आपको फोन कर रहा था। स्टार बेकरी को बिस्कुट और पेस्ट्री का आर्डर दिया था। अभी तक तो डिलीवरी हुई नहीं।'

'मैडम आसपास कोई दुकान तो होगी?' कौशल साहब ने ज्योतिका प्रसाद से पूछा। 'पीछे की गली में एक मिठाई की दुकान है तो सही, समोसे भी बनाता है।' 'बस फिर ठीक है। शर्मा से कहो यहीं से नाश्ते का इंतजाम कर लेगा।' ज्योतिका प्रसाद सोच-विचार में पड़ गई थी। उन्हें निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। पूरी वाद-विवाद या भाषण प्रतियोगिताओं का दारोमदार निर्णायकों पर ही तो होता है। कितनी बार अच्छे से अच्छे वक्ताओं को साधारण वक्ताओं से परास्त होते उन्होंने देखा है। विषय-वस्तु, प्रस्तुतीकरण, भावाभिव्यक्ति, सभी मानकों के आधार पर ही निर्णय होना चाहिए। निर्णायकों के निर्णय से असंतुष्ट और हताश होने का उनका अपना पुराना अनुभव है। वह किसी वक्ता के साथ नाइंसाफी नहीं होने देंगी। सभी निर्णायक निश्चय कर लेंगे कि अंकों का विभाजन किस प्रकार होगा। अन्य दो निर्णायकों के आते ही वह परस्पर विचार-विमर्श कर लेंगे। अभी तो उन्हें यह भी नहीं मालूम कि भाषण प्रतियोगिता का विषय क्या है?

'प्रतियोगिता का विषय क्या है?' उन्होंने कौशल साहब से पूछा। 'प्रतियोगिता का विषय तो मुझे भी ठीक से नहीं मालूम मैडम, कुछ बुद्ध से सम्बन्धित विषय ही होगा। हमारे डायरेक्टर साहब तो चाहते थे कि सेमिनार कर लिया जाये पर इतने कम नोटिस पर सेमिनार करना क्या कोई आसान काम है। इसलिये यह भाषण प्रतियोगिता रखी गयी।' कौशल साहब का उत्तर था। इतने में संस्कृति विभाग का फोटोग्राफर भी पहुंच गया था। आते ही उसने बैनर की एक-दो फोटो खींच ली। लॉन में चहलकदमी करते हुए, रंग-बिरंगी स्कूली पोषाकों में सजे-संवरे बच्चे फूलों के बीच फूलों की तरह खिलखिलाते पूर्वाभ्यास में व्यस्त थे। कोई कागज हाथ में लिये स्पीच याद कर रहा था तो कोई रट्टा लगाते प्रतिद्वंद्वी के उपहास की मुद्रा में कोट का कालर ठीक कर रहा था। इन भाषणों की तैयारी के पीछे की पृष्ठभूमि को ज्योतिका प्रसाद से अधिक कौन जानता है? स्पीच लिखवाने के लिए कभी एक मैडम तो कभी दूसरी मैडम के पीछे भागते कई दिन निकल जाते तब कहीं जाकर दो-चार बुलैट प्वाइंट मिल पाते। घर में भैया की मिन्नते करते आखिर में वह गुस्से में अपना निर्णय सुना देती। 'ठीक है मत लिखिये हमारी स्पीच। हम कल अपनी मिस से मना कर देंगे।' भैया कुछ नरम पड़ते लेकिन नसीहत देना न भूलते।

'अरे ज्योतिका यह स्पीच बगैरा सब फिजूल के काम हैं। कोई सुनता भी है क्या इन भाषणों को? जितना समय तू यह स्पीच रटने में लगाती है उतना अपनी पढ़ाई में लगायेगी तो टॉप करेगी टॉप। बेकार में रोज एक सिरदर्दी मोल ले लेती है।' ऐसे मौके पर मां उसका पक्ष लेकर भैया को चुप करा देती। बेचारे भैया! चुपचाप उसके हाथ से कॉपी-पेन लेकर स्पीच लिखने बैठ जाते। आधा-पौना घण्टा में कांट-छांट कर मसौदा तैयार। वह इंटरनेट का जमाना नहीं था फिर भी भैया जो लच्छेदार शब्दावली और तर्कों की फेहरिस्त तैयार करते उसे पढ़ उसकी नाराजगी पल में रफूचक्कर हो जाती। भैया के शब्द और उसकी आवाज की जुगलबन्दी की बदौलत ज्योतिका प्रसाद ने न जाने कितने कप और ट्रॉफियां जीतीं। यूनिवर्सिटी तक पहुंचते तो वह खुद भी स्पीच लिखने में माहिर हो गयी थी।

कौशल साहब फोन पर किसी से बात रहे थे। दुर्गादास जी से बोले, 'शर्मा का फोन था। आपने क्या उससे सर्टिफिकेट के लिए कहा था?' 'हां। क्या कहा उसने?' 'कह रहा था दत्ता साहब तो कल छह बजे तक मीटिंग में थे उसके बाद सीधे घर चले गये। इसलिये सर्टिफिकेट में साइन तो हो ही नहीं पाये।' 'इस शर्मा से तो कोई काम कहना बेकार है। अब सर्टिफिकेट के बिना प्राइज डिस्ट्रिब्यूशन कैसे होगा।' दुर्गादास झल्लाकर बोले। 'विजेताओं को कप देंगे। पार्टिसिपेन्टस के सर्टिफिकेट बाद में उनके स्कूलों में भिजवा देंगे।' कौशल साहब ने सुझाव दिया। 'हां, यही ठीक रहेगा। सर्टिफिकेट होते तो आज ही काम निपट जाता।' इसी दौरान एक सज्जन पहुंच गये थे। वह निर्णायक महोदय थे। दुर्गादासजी ने ज्योतिका प्रसाद से उनका परिचय कराया। किन्तु या तो वे ज्योतिका प्रसाद से प्रभावित नहीं हुए या फिर बातचीत के मूड में नहीं थे। ज्योतिका प्रसाद असमंजस में थी कि उनसे निर्णय संबंधी सामान्य नियमों के विषय में बातचीत कैसे करें। वह लॉन के दूसरे छोर पर आ गयी। कुछ बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी थे। कुछ टीमों के साथ उनके शिक्षक शिक्षिकायें भी थीं। एक शिक्षिका एक लड़की को हिदायत दे रही थी

'इतनी जल्दी नहीं श्रेया, थोड़ा आराम से बोलो। तुम्हारी बात सुनने वालों को समझ में भी तो आनी चाहिए। घंटी चार मिनट बाद बजेगी। ऐसा नहीं कि घंटी सुनते ही तुम आधी स्पीच छोड़कर वहां से चली जाओ। उसके बाद एक मिनट का समय और मिलेगा। और श्वेता तुम। पिछली बार जैसी गलती मत करना कि दूसरी घंटी बज गयी और तुम बोले ही जा रही हो। पांच मिनट से ज्यादा समय लिया तो नंबर कट जायेंगे।' प्रतियोगिता के नियमों से संबंधित जानकारी निर्णायकों को भी अवश्य दी गयी होगी। दुर्गादासजी से नियमों की एक प्रति मांग लेना ठीक रहेगा। निर्णायक महोदय कुर्सी पर निर्विकार भाव से बैठे थे। दर्शक दीर्घायें अभी खाली थीं। फोन की घंटी फिर बज रही थी। एक प्रतिभागी ने दूसरे कोने पर जाकर अपनी स्पीच दोहरानी शुरू कर दी थी

'गौतम बुद्ध ने रूढ़िवादी सामाजिक व्यवस्था का विद्रोह किया। उन्होंने ऊंच-नीच, जात-पांत को न मानकर मानव प्रेम पर बल दिया।' ज्योतिका प्रसाद को भैया याद आ गये। वह भी तो ऐसी ही परिष्कृत और ओजपूर्ण भाषा का प्रयोग करते थे। अभी तक हॉल खाली था। आज छुट्टी का दिन है। उन्हें श्रोताओं की चिंता होने लगी। स्कूली पोशाक में हाथ में कागज लिये रट्टा लगाते हुए लॉन के चक्कर लगा रहे यह बच्चे। रंग-बिरंगी स्कूली पोशाकों में सजे-संवरे फूलों के बीच फूलों की तरह खिलखिलाते यह बच्चे। क्या हॉल की इन खाली कुर्सियों के लिए यहां आये हैं? निशा और प्रभा अपने फ्लैट में होगी। उन्हें इस प्रतियोगिता के बारे में बताना ठीक रहेगा, नीचे कंपाऊंड में बच्चे जरूर खेल रहे होंगे, भाषण सुनने न सही, मिठाई खाने तो आ ही सकते हैं। यही सोचती वह अपनी बिल्डिंग की ओर चल दी।

(साभार : द ट्रिब्यून)

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

मैराथन

...मैं यह काम करना चाहता था पर उसने अड़ंगा लगा दिया।
...मैं वह काम करना चाहती थी पर इसने टांग अड़ा दी।
...उसमें है ही क्या, उससे बेहतर तो इसे मैं करता पर मेरी स्थितियों के चलते..!
....अलां ने मेरे खिलाफ ये किया, फलां ने मेरे विरोध में यह किया...!

स्वयं को अधिक सक्षम, अधिक स्पर्धात्मक बनाने का कोई प्रयास न करना, आत्मावलोकन न कर व्यक्तियों या स्थितियों को दोष देना, हताशाग्रस्त जीवन जीनेवालों से भरी पड़ी है दुनिया। वस्तुतः जीवन मैराथन है। अपनी दौड़ खुद लगानी होती है। रास्ते, आयोजक, प्रतिभागी, मौसम किसी को भी दोष देकर पूरी नहीं होती मैराथन।

निदा फाज़ली जी ने लिखा है,
रास्ते को भी दोष दे, आँखें भी कर लाल,
चप्पल में जो कील है, पहले उसे निकाल।

अधिकांश लोग जीवन भर ये कील नहीं निकाल पाते। कील की चुभन पीड़ा देती है। दौड़ना तो दूर, चलना भी दूभर हो जाता है।

जिस किसीने यह कील निकाल ली, वह दौड़ने लगा। हार-जीत का निर्णय तो रेफरी करेगा पर दौड़ने से ऊर्जा का प्रवाह तो शुरू हुआ।

प्रवाह का आनंद लेने के लिए इसे पढ़ने या सुनने भर से कुछ नहीं होगा। इसे अपनाना होगा। उम्मीद करता हूँ अपनी-अपनी चप्पल सबके हाथ में है और कील के निष्कासन की कार्यवाही शुरू हो चुकी है।

बोध कथा

भद्र पुरुष और तोते की कथा

पूर्वकाल में किसी गाँव में एक बड़ा भला मानस रहता था। उसकी पत्नी अतीव सुंदरी थी और भला मानस उससे बहुत प्रेम करता था। अगर कभी घड़ी भर के लिए भी वह उसकी आँखों से ओझल होती थी तो वह बेचैन हो जाता था। एक बार वह आदमी किसी आवश्यक कार्य से एक अन्य नगर को गया। वहाँ के बाजार में भाँति-भाँति के और चित्र-विचित्र पक्षी बिक रहे थे। वहाँ एक बोलता हुआ तोता भी था। तोते की विशेषता यह थी कि उस से जो भी पूछा जाए उसका उत्तर बिल्कुल मनुष्य की भाँति देता था। इसके अलावा उसमें यह भी विशेषता थी कि किसी मनुष्य की अनुपस्थिति में उसके घर पर जो-जो घटनाएँ घटी होती थीं उन्हें भी वह उस मनुष्य के पूछने पर बता देता था।

कुछ दिनों बाद उस भद्र पुरुष का विदेश जाना हुआ। जाते समय उसने तोते को अपनी पत्नी के सुपुर्द कर दिया कि इसकी अच्छी तरह देख-रेख करना। वह परदेश चला गया और काफी समय बाद लौटा। लौटने पर उसने अकेले में तोते से पूछा कि यहाँ मेरी अनुपस्थिति में क्या-क्या हुआ। उसकी अनुपस्थिति में उसकी पत्नी ने खूब मनमानी की थी और शील के बंधन तोड़ दिए थे। तोते ने अपने स्वामी से सारा हाल कह सुनाया। स्वामी ने अपनी पत्नी को खूब डाँटा-फटकारा कि तू मेरे पीठ पीछे क्या-क्या हरकतें करती है और कैसे-कैसे गुल खिलाती है।

पत्नी-पति से तो कुछ न बोली क्योंकि बातें सच्ची थीं। लेकिन यह सोचने लगी कि यह बातें उसके पति को किसने बताईं। पहले उसने सोचा कि शायद किसी सेविका ने यह काम किया है। उसने एक एक सेविका को बुलाकर डाँट फटकार कर पूछा किंतु सभी ने कसमें खा-खाकर कहा कि हमने तुम्हारे पति से कुछ नहीं कहा है। स्त्री को उनकी बातों का विश्वास हो गया और उसने समझ लिया कि यह कार्रवाई तोते ने की है। उसने तोते से कुछ न कहा क्योंकि तोता इस बात को भी अपने स्वामी को बता देता। किंतु वह इस फिक्र में रहने लगी कि किसी प्रकार तोते को अपने स्वामी के सन्मुख झूठा सिद्ध करें और अपने प्रति उसके अविश्वास और संदेह को दूर करें।

कुछ दिन बाद उसका पति एक दिन के लिए फिर गाँव से बाहर गया। स्त्री ने अपनी सेविकाओं को आज्ञा दी कि रात में एक सेविका सारी रात तोते के पिंजरे के नीचे चक्की पीसे, दूसरी उस पर इस तरह पानी डालती रहे जैसे वर्षा हो रही है और तीसरी सेविका पिंजरे के पीछे की ओर दिया जला कर खुद दर्पण लेकर तोते के सामने खड़ी हो जाए और दर्पण पर पड़ने वाले प्रकाश को तोते की आँखों के सामने रह-रह कर डालती रहे। सेविकाएँ रात भर ऐसा करती रहीं और भोर होने के पहले ही उन्होंने पिंजरा ढक दिया।

दूसरे दिन वह भद्र पुरुष लौटा तो उसने एकांत में तोते से पूछा कि कल रात को क्या-क्या हुआ था। तोते ने कहा, 'हे स्वामी, रात को मुझे बड़ा कष्ट रहा; रात भर बादल गरजते रहे, बिजली चमकती रही और वर्षा होती रही।' चूँकि विगत रात को बादल और वर्षा का नाम भी नहीं था इसलिए आदमी ने सोचा कि यह तोता बगैर सिर-पैर की बातें करता है और मेरी पत्नी के बारे में भी इसने जो कुछ कहा वह भी बिल्कुल बकवास थी। उसे तोते पर अत्यंत क्रोध आया और उसने तोते को पिंजरे से निकाला और धरती पर पटक कर मार डाला। वह अपनी पत्नी पर फिर विश्वास करने लगा लेकिन यह विश्वास अधिक दिनों तक नहीं रहा। कुछ महीनों के अंदर ही उसके पड़ोसियों ने उसके उसकी पत्नी के दुष्कृत्यों के बारे में ऐसी-ऐसी बातें कहीं जो उस तोते की बातों जैसी थीं। इससे उस भद्र पुरुष को बहुत पछतावा हुआ कि बेकार में ही ऐसे विश्वासपात्र तोते को जल्दी में मार डाला।

मछुवारे ने इतनी कहानी कहकर गागर में बंद दैत्य से कहा कि बादशाह गरीक ने तोते की कथा कहने के बाद अपने मंत्री कहा, 'तुम दुश्मनी के कारण चाहते हो कि मैं दूबाँ हकीम को जिसने मेरा इतना उपकार किया है और तुम्हारे साथ भी कोई बुराई नहीं की है निरपराध ही मरवा डालूँ। मैं तोते के स्वामी जैसा मूर्ख नहीं हूँ जो बगैर सोचे-समझे ऐसी बात जल्दबाजी में करूँ।'

मंत्री ने निवेदन किया, 'महाराज, तोता अगर निर्दोष मारा भी गया तो कौन सी बड़ी बात हो गई। न स्त्री का दुष्कृत्य कोई बड़ी बात है। किंतु जो बात मैं आप से कह रहा हूँ वह बड़ी बात है और इस पर ध्यान देना जरूरी है। फिर आप के बहुमूल्य जीवन के लिए एक निरपराध व्यक्ति मारा भी जाय तो इस में खेद की क्या बात है। उसका इतना अपराध है ही कि सभी लोग उसे शत्रु का भेदिया कहते हैं। मुझे उससे न ईर्ष्या है न शत्रुता। मैं जो कुछ कहता हूँ आप ही के भले के लिए कहता हूँ। मुझे इससे कुछ लेना-देना नहीं कि वह अच्छा है या बुरा, मैं तो केवल आप की दीर्घायु चाहता हूँ। अगर मेरी बात असत्य निकले तो आप मुझे वैसा ही दंड दें जैसा एक राजा ने अपने अमात्य को दिया था। उस अमात्य को अंततः राजाज्ञा से मरना ही पड़ा था।' बादशाह ने पूछा किस राजा ने अमात्य को प्राण-दंड दिया और किस बात पर दिया। मंत्री ने यह कहानी कही।

वीर गाथा

बहादुरी और बलिदान की मिसाल पेश कर अमर हुए कर्नल एमएन राय

कर्नल मुनींद्र नाथ राय का जन्म 26 नवंबर, 1965 को उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ीपुर जिले में हुआ था। उनके परिवार के कई सदस्य सशस्त्र बलों में सेवाएं दे चुके हैं। मुनींद्र सितंबर 1997 में 9 गोरखा राइफल्स (2/9 जीआर) की दूसरी बटालियन में कमीशन हुए थे।

कर्नल मुनींद्र ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सदैव असाधारण नेतृत्व क्षमता और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा का प्रदर्शन किया। उनकी योग्यताओं को देखते हुए, उन्हें मई 2013 में राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की 42वीं बटालियन की कमान सौंपी गई। इसके बाद दक्षिण कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया गया।

कर्नल मुनींद्र के नेतृत्व में जवानों ने कई आतंकवादियों का खात्मा किया और क्षेत्र में शांति की स्थापना की। उन्हें साल 2015 में 'युद्ध सेवा पदक' से सम्मानित किया गया।

27 जनवरी, 2015 को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि त्राल के हुंडुर इलाके में भारी हथियारों से लैस कई आतंकवादी छिपे हुए हैं। कर्नल मुनींद्र नाथ राय ने तत्काल कार्रवाई शुरू करने के आदेश दिए। वे अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे और संदिग्ध मकान को घेर लिया। इस दौरान एक आतंकवादी का पिता बाहर आया और उसने गुहार लगाई कि आत्मसमर्पण करने का मौका दिया जाए।

कर्नल मुनींद्र ने उस पर रहम करते हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का मौका दिया। अचानक एक आतंकवादी उस मकान से बाहर निकला और उसने कर्नल मुनींद्र तथा जवानों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं।

कर्नल मुनींद्र ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अद्भुत साहस दिखाया। उन्होंने आतंकवादी को ललकारा और हमले का जोरदार जवाब दिया। उन्होंने ए प्लस श्रेणी के उस कुख्यात आतंकवादी को मार गिराया।

कर्नल मुनींद्र अपने जवानों का हौसला बढ़ाते रहे और उनका नेतृत्व करते रहे। उन्होंने लहूलुहान होने के बावजूद एक आतंकवादी को बुरी तरह घायल कर दिया, जो बाद में मारा गया। इसके बाद वे वीरगति को प्राप्त हो गए। भारत मां के वीर सपूत कर्नल मुनींद्र नाथ राय बहादुरी और बलिदान की मिसाल पेश कर अमर हो गए। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईंधन और दूध की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को धनबाद में पुतला दहन कर प्रदर्शन किया।

विशेषज्ञों ने अत्यधिक व्यायाम, 'सप्लीमेंट' के सेवन से जुड़े हृदय संबंधी खतरों के बारे में चेतावनी दी

नई दिल्ली/भाषा। भारत के शहरी युवाओं में तेजी से 'बॉडी' बनाने की बढ़ती चाहत स्टेरॉयड, 'प्री-वर्कआउट पाउडर' और अनियंत्रित 'सप्लीमेंट्स' के खतरनाक दुरुपयोग को बढ़ावा दे रही है। हृदय रोग विशेषज्ञ स्वस्थ दिखने वाले युवाओं में भी धमनियों में रुकावट, दिल का दौरा पड़ने और अचानक हृदय संबंधी समस्याओं के बढ़ते जोखिम की चेतावनी दे रहे हैं। 'इंस्टीट्यूट ऑफ हार्ट एंड लंग डिजीज' के अध्यक्ष एवं हृदय रोग सर्जन डॉ. राहुल चंदोला का कहना है कि सोशल मीडिया पर फिटनेस संस्कृति और ऑनलाइन 'सप्लीमेंट मार्केटिंग' से प्रेरित यह प्रवृत्ति जिम जाने वाले कई युवाओं को ऐसे उत्पादों एवं व्यायाम पद्धतियों की ओर धकेल रही है, जो हृदय पर गंभीर दुष्प्रभाव डाल सकती हैं।चंदोला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हम तेजी से ऐसे युवाओं को देख रहे हैं, जिनमें दिल की धड़कन का तेज होना, असामान्य हृदय गति, उच्च रक्तचाप और यहां तक कि अनियंत्रित 'सप्लीमेंट' या 'स्टेरॉयड' के उपयोग से जुड़े हृदय की संरचनात्मक परिवर्तनों के मामले सामने आ रहे हैं।''

उन्होंने बताया, ''चिंता की बात व्यायाम नहीं है। नियमित व्यायाम हृदय की रक्षा करता है। खतरा तब उत्पन्न होता है, जब लोग अत्यधिक व्यायाम के साथ उत्तेजक पदार्थ एवं स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं, पानी कम पीते हैं और शरीर की बनावट को लेकर अवास्तविक अपेक्षाएं रखते हैं।''फिटनेस के शौकीन युवाओं और शौकिया बॉडीबिल्डर में अचानक बेहोशी एवं दिल का दौरा पड़ने से मौत के मामले न केवल भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर भी चिंता का विषय बन गए हैं।

रैपर वेदान के पेंडेंट में लगा दांत तेंदुए का निकला

कोच्चि/भाषा। प्रयोगशाला जांच में इसकी पुष्टि हो गई है कि रैपर वेदान के पेंडेंट में लगा दांत तेंदुए का है। यह जानकारी वन विभाग ने शनिवार को दी। वेदान को तेंदुए का दांत रखने के आरोप में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत अप्रैल 2025 में गिरफ्तार किया गया था। वेदान का असली नाम हीरंदास मुरली है।

कोडनाड वन रेंज कार्यालय ने यह मामला पुलिस की सूचना के आधार पर दर्ज किया था। पुलिस ने एक फ्लैट में छापा मारा था, जहां वेदान व आठ अन्य लोगों को पकड़ा और उनके पास से कथित तौर पर गांजा बरामद किया गया था। वन अधिकारियों ने बताया कि मामले की सुनवाई कर रहे पेरुम्बावूर स्थित प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की अदालत ने दांत की प्रामाणिकता जांचने के लिए उसे कोलकाता स्थित एक केंद्रीय प्रयोगशाला भेजा था।

अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से अब पुष्टि हो गई है कि वह वास्तव में तेंदुए का दांत है। उन्होंने बताया कि पूरी जांच रिपोर्ट फिलहाल अदालत के पास है और उसकी प्रति प्राप्त करने के लिए जल्द आवेदन दाखिल किया जाएगा।

पिछले साल जमानत सुनवाई के दौरान वेदान ने कहा था कि उन्हें यह नहीं पता था कि पेंडेंट में तेंदुए का दांत है और यह उन्हें किसी प्रशंसक ने उपहार में दिया था।

देखभाल की जिम्मेदारियों के कारण 10 में से आठ महिलाएं नौकरी के लिए आवेदन नहीं करतीं : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। पारिवारिक देखभाल से जुड़ी जिम्मेदारियां अब भी महिलाओं के करियर फैसलों को प्रभावित कर रही हैं। एक सर्वेक्षण में 83 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि उन्होंने कुछ पदों के लिए आवेदन करना छोड़ दिया क्योंकि उन्हें लगता था कि काम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण होगा। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

नौकरी के बारे में सूचना देने वाली वेबसाइट इंडीड की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 10 में से 8 महिलाओं ने देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के कारण कुछ नौकरियों के लिए आवेदन न करने का विकल्प चुना है। यह महिलाओं के करियर विकल्पों पर देखभाल कार्य के निरंतर प्रभाव को बताता है। रिपोर्ट में 83 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि उन्होंने कुछ नौकरियों के लिए आवेदन इसलिए नहीं किया, क्योंकि उन्हें लगा कि काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना मुश्किल होगा।

इंडीड इंडिया के प्रबंध निदेशक शशि कुमार ने कहा, हालांकि कई परिवारों में देखभाल की जिम्मेदारियां साझा की जाती हैं, लेकिन भारत में महिलाएं अब भी करियर से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लेते समय इन जिम्मेदारियों को ध्यान में रखती हैं। महिलाएं महत्वाकांक्षी हैं, लेकिन अब वे ऐसी नौकरियों को चुन रही हैं जो उनकी पारिवारिक जिम्मेदारियों के अनुरूप हों। जो कंपनियां काम में वास्तविक लचीलापन और स्पष्ट अपेक्षाएं देती हैं, वे महिलाओं को आकर्षित करने और उन्हें लंबे समय तक बनाए रखने में बेहतर स्थिति में होंगी।

इंडीड की यह रिपोर्ट देशभर की 1,141 महिलाओं की राय पर आधारित है।

पूजा

नोएडा के सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर में 'वट सावित्री अमावस्या पूजा' के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में एक महिला ने वट वृक्ष पर पवित्र धागा बांधा।

आज भी समाज में लोगों को उनके सरनेम से जज किया जाता है : आरजे महवश

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री महवश अपनी आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी: बदले का खेल' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उत्तर भारत की लोक कला 'लौंडा नाच' और जाति-आधारित भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों को भी उठाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि स्क्रिप्ट सुनते ही उन्होंने इसके लिए तुरंत हामी भर दी थी।

उन्होंने कहा, जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश देने का माध्यम भी है। उत्तर प्रदेश में पली-बढ़ी होने के नाते मैंने अपने आस-पास ऐसी सच्चाइयों को देखा और सुना था। उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बहुत ही सार्थक मौका था। मेरे किरदार में भी कई इमोशनल परतें हैं और एक एक्टर के लिए, ऐसी जटिलता हमेशा रोमांचक होती है। सीरीज के ट्रेलर से साफ पता चलता है कि इसकी कहानी बदले की नहीं, बल्कि पहचान और आत्म-सम्मान की लड़ाई भी है। अभिनेत्री ने बताया कि आज भी समाज में काफी लोगों को उनके टाइटल से जज किया जाता है। जाति आधारित हिंसा आज भी हमारे आसपास देखने को मिलती है। हम सीरीज के माध्यम से बस यह दिखाना चाहते थे कि इंसान का जिन बातों पर बस नहीं होता, उनकी वजह से लोगों को किन मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। यह यकीनन पहचान और इंसाफ की लड़ाई है और मुझे उम्मीद है कि आखिर में समाज यह लड़ाई जीत जाएगा।

महवश ने सीरीज में एक ऐसे प्रभावशाली और बाहुबली परिवार की ग्रामीण लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने ही परिवार द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और जाति व्यवस्था के खिलाफ खड़ी होती है। अपने ग्रामीण किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए यह मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे यह मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि मैंने दोनों तरह की जिंदगी जी है। अगर 'प्यार पैसा प्रॉफिट' ने मेरे मुंबई वाले पहलू को दिखाया, तो 'सतरंगी' मेरे अलीगढ़ के जड़ों को दिखाती है। अभिनेत्री ने बताया कि यहां तक आना के लिए उन्होंने अनगिनत ऑडिशन दिए और कई रिजेक्शन झेले हैं। उन्होंने कहा, इस मुकाम तक पहुंचना ही अपने आप में मुश्किल था, क्योंकि आपको मौके मिलने से पहले अनगिनत ऑडिशन और रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है। आप रिजेक्शन से सीखते हैं और धीरे-धीरे अपनी कला को समझते हैं। डिजिटल कंटेंट के लिए एक्टिंग करना और जज्बाती तौर पर गहरे किरदार निभाना, ये दो अलग-अलग दुनियाएं नहीं हैं। अगर आपको सच में एक्टिंग करनी आती है, तो यह बदलाव अपने आप ही हो जाता है।

रिश्तों में तनाव की वजह बनती है समानता को स्वीकार न कर पाने की मानसिकता: सबा आजाद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे 'डॉ. विदुषी कोठारी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी। आगामी सीजन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि सीरीज का मुख्य उद्देश्य उन विषयों पर चर्चा करना है, जिन्हें अक्सर बंद कमरों की चर्चा माना जाता है। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, सीजन-1 ने सेक्स एजुकेशन और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद शुरू किया था। सीजन-2 भी उसी मूल विचार को कायम रखेगा।

समाज इन चर्चाओं को जगह मिलना बहुत जरूरी है।जब सवाल पूछा, आज के समय में भी समाज के लिए एक स्वतंत्र और महत्वकांक्षी महिला को स्वीकार करना कठिन है? इस पर अभिनेत्री का कहना है कि भले ही हम बड़े शहरों में रहते

हों, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी पितृसत्तात्मक है। उन्होंने कहा, महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान पाने के लिए आज भी दोगुना मेहनत करनी पड़ती है। समाज आज भी महिलाओं के फैसलों पर बहुत जल्द अपनी राय बना लेते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा पारंपरिक रूप से पुरुषों की सफलता को केंद्र में रखकर बनाया गया है। उन्होंने आगे लिखा, हमारे देश के कई हिस्सों में महिलाओं को आज भी आजादी से काम करने या अपने फैसले खुद लेने की अनुमति नहीं है। हो सकता है कि शहरों में हमें यह सच्चाई हमेशा दिखाई न दे, लेकिन यह मौजूद है। इसलिए महिलाओं को पेशेवर और घर दोनों जगह लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। अगर वे काम करती हैं, तो लोग उन पर उंगलियां उठाते हैं।

अगर वे काम नहीं करतीं, तो उन्हें फिर से परखा जाता है। सबा का मानना है कि कुछ लड़कों की परवरिश अक्सर इसी मानसिकता के साथ की जाती है कि वे महिलाओं से बेहतर हैं। ऐसे में जब उनका सामना एक सशक्त और स्वतंत्र विचार वाली लड़की से होता है, तो उनके अहंकार को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा, सच बात तो ये है कि ऐसे पुरुषों को महिलाओं को अपने से बराबर देखने की आदत नहीं होती, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा होता है।

मल्लिका शेरावत ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के पुराने दिन किए याद

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्रियां इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने ग्लैमर अंदाज से सभी का ध्यान खींच रही हैं। इसी बीच अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने फेस्टिवल से जुड़ा किस्सा शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया था, तो उनके ड्रेसिंग स्टाइल ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। मल्लिका शेरावत ने इंस्टाग्राम पर कान्स फिल्म फेस्टिवल की अपनी पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं। मल्लिका ने सभी को याद दिलाते हुए लिखा कि 20 साल पहले विश्व प्रसिद्ध मार्शल आर्टिस्ट और अभिनेता जैकी चैन के साथ इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थीं। उस समय उन्होंने स्टाइलिश क्रॉप टॉप और स्कर्ट पहना हुआ था। आज के समय में

यह पहनावा सामान्य लग सकता है, लेकिन दो दशक पहले इसने अंतरराष्ट्रीय मीडिया में चर्चा पैदा कर दी थी।

अभिनेत्री ने लिखा, उस समय मेरे ड्रेस की वजह से काफी हंगामा हो गया था। यह खबरों में छा गया था, यहां तक कि मुझे आइकॉनिक टाइम मैगजीन में भी जगह मिली और मेरी तुलना सुपरस्टार ब्रिजित बार्दो से की गई थी। अभिनेत्री ने बताया कि यह सब उनके लिए एक सपने जैसा था। उन्होंने लिखा, एक छोटे शहर की लड़की के लिए यह सब बहुत ही अवास्तविक सा लगा। लोगों ने इसे बहुत ज्यादा कहा और अब यह सामान्य माना जाता है। बता दें कि अभिनेत्री मल्लिका शेरावत पहली बार साल 2005 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में गई थीं। वह अपनी फिल्म 'द मिथ' के प्रमोशन के लिए इस प्रतिष्ठित इवेंट में शामिल हुई थीं। इसके बाद से वह कई बार कान्स के रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। 'द मिथ' साल 2005 में रिलीज हुई एक मशहूर हांगकांग-चीनी मार्शल आर्ट्स और फैंटेसी फिल्म है। इसका निर्देशन स्टेनली टोंग ने किया था और इसमें लीजेंड्री स्टार जैकी चैन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने इस फिल्म में कैमियो रोल निभाया था।

मुलाकात

पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को कोलकाता स्थित अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती के आवास पर उनसे मुलाकात की।

बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का नया गाना 'क्यों मजा आ रहा है' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉबी देओल स्टारर फिल्म 'बंदर' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। यह एक सस्पेंस क्राइम थ्रिलर है, जिसमें बॉबी देओल एक टीवी स्टार की भूमिका में हैं। गुरुवार को फिल्म का नया गाना 'क्यों मजा आ रहा है' रिलीज किया गया। बॉबी देओल ने इंस्टाग्राम पर गाना शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मजेदार, थोड़ा शरारती लेकिन बहुत ज्यादा आकर्षक। गाना 'क्यों मजा आ रहा है' अब रिलीज हो चुका है। गाने में बॉबी देओल और सपना पब्बी हैं। गाने में बॉबी देओल के किरदार का एक सॉफ्ट साइड देखने को मिल रहा है। रोमांटिक ट्रैक में फिल्म की इमोशनल दुनिया की झलक देखने को मिलती है। सॉफ्ट मेलोडी के पीछे रिश्तों की टूटन, मानसिक संघर्ष और भावनाओं को दिखाया गया है। गाने को विशाल मिश्रा ने गाया और कंपोज किया है। इससे पहले वे 'बॉर्डर 2' का 'जाते हुए लम्हों' के अलावा 'कैसे हुआ,' 'तुम हो तो,' और 'दीवानियत' जैसे कई गाने गा चुके हैं।इससे पहले फिल्म के मेकर्स टीजर रिलीज कर चुके हैं, जिसमें बॉबी का एक अलग अवतार देखने को मिला, जिसने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

यह फिल्म एक टीवी स्टार की कहानी है, जो दुष्कर्म के आरोपों और एक भ्रष्ट न्याय प्रणाली का सामना करता है।फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोसले जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है, जो इससे पहले 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसी चर्चित स्टोरीज पर काम कर चुके हैं। 'बंदर' का निर्माण निखिल द्विवेदी की सैफ्रॉन मैजिकवर्क्स ने किया है, जबकि फिल्म को जी स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'आखिरी सवाल' को लेकर त्रिधा चौधरी ने बताया, 'यह फिल्म महज प्रोजेक्ट नहीं, एक भावना है'

कोलकाता/एजेन्सी

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी फिल्म 'आखिरी सवाल' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी ने अपने अनुभव और विचार शेयर किए। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी का कहना है कि यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावना है। उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म में 'सारा' नाम की छात्रा का किरदार निभाया है। मेरा मानना है कि शैक्षिक संस्थान ही वह जगह है, जहां भविष्य के नेता तैयार होते हैं। हम सभी की अपनी-अपनी विचारधाराएं होती हैं और उन पर हमारा अटूट विश्वास होता है। त्रिधा ने आगे कहा कि सिनेमा में वह ताकत है, जो आपको अपनी बात रखने की 'सिनेमाई आजादी' देती है। उन्होंने पूरी टीम का जिक्र करते हुए कहा, इस फिल्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है। फिल्म के जरिए हमने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में विचारधारा कितनी महत्वपूर्ण

भूमिका निभाती है।

अभिनेत्री समीरा रेड्डी फिल्म के जरिए लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने 'आखिरी सवाल' में वामपंथी विचारधारा वाली महिला का किरदार निभाया है, जो कहानी के भीतर की स्थिति को चुनौती देती है।समीरा ने कोलकाता आने पर प्रसन्नता जाहिर की और कहा, मैं यहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। साथ ही, सिटी ऑफ जॉय में वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं कहना चाहूंगी कि मिथुन दा को 20 साल बाद देखकर मैं बहुत खुश हूं। तो यह वैसा पल है, जिसके लिए मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मिथुन दा को देखकर बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि स्क्रिप्ट के बारे में सबसे प्रभावशाली बात, खासकर अभिजीत वरन जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक के साथ, यह थी कि वह कोई उपदेश नहीं दे रहे थे। वह बस तथ्य सामने रख रहे थे। अभिनेत्री ने अपने किरदार 'डॉ. पल्लवी' के बारे में बताया कि वह अलगाववादी विचारधारा की है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा पात्र है, जो समाज में दबे हुए सवालों को कुरेदता है और लोगों के बीच हलचल पैदा करता है। एक महिला कलाकार के तौर पर इस तरह का सशक्त और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना मेरे लिए मजेदार था।

जीवन को प्रशिक्षित और संस्कारित करने की महती आवश्यकता : विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। स्थानीय पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में शनिवार को आराधना भवन में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि मनुष्य को परिवार, रोटी, कपड़ा और मकान चाहिए। इन रोजमर्रा की आवश्यकताओं की पूर्ति के बिना जीवन की परिकल्पना नहीं हो सकती लेकिन इनके साथ-साथ मनुष्य का स्वभाव, उसके मित्र और संस्कार, धन कमाने और खर्च करने की दिशा, उसकी सोच-समझ, विचारधारा और नैतिकता आदि तत्व भी बहुत मायने रखते हैं। धनवान होने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है गुणवान होना। पढ़ लिखकर पंडित बन जाने से भी अधिक मूल्यवान है अपने समय, शक्ति और सामर्थ्य के औचित्य को समझना। उन्होंने कहा कि जीवन को नियमित प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है, वही हमारी वास्तविक सिद्धि है। मात्र भौतिक उपलब्धियों के आंकलन से जीवन का मूल्यांकन नहीं हो सकता। धर्म-अध्यात्म की साधना का प्रारंभिक चरण भी जीवन-प्रशिक्षण ही है। नीति-नियमों से संस्कारित जीवन ही साधना की योग्यता प्राप्त करता है। अगर हम जीवन को प्रशिक्षित और नियमित नहीं करते हैं तो वह मन के भरोसे बार बार भ्रमित होता होकर भटक जाता है। मन की प्रकृति और गति विचित्र है। उसे समझना बहुत मुश्किल है। मन के भरोसे यदि जीवन गति करता रहा तो प्रगति के बजाय दुर्गति की राह प्रशस्त हो सकती है।

प्रवचन दूसरों को नहीं, स्वयं को 'सुधारने' के लिए होता है : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थानक पहुंचे डॉ. समकितमुनिजी के सान्निध्य में प्रवचन सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुनिश्री ने मनुष्य की दूसरों को सुधारने की मानसिकता पर प्रहार करते हुए आत्म-निरीक्षण का अमोघ मंत्र दिया। तीर्थंकरों की करुणा का वर्णन करते हुए संतश्री ने कहा कि यह पूरा संसार केवल स्वार्थ के आधार पर आगे बढ़ता है, लेकिन इस दुनिया में एकमात्र निस्वार्थ शक्ति केवल 'जिनराज' (तीर्थंकर) की है। तीर्थंकर परमात्मा केवल अपने लिए दीक्षा नहीं लेते, अपितु उनकी तपस्या और साधना 'सर्व जीवों के कल्याण' के लिए होती है। वे स्व-कल्याण के साथ-साथ पर-कल्याणक भी होते हैं।समकितमुनिजी ने कहा कि आज इंसान की सबसे बड़ी भ्रांति यह है कि वह प्रवचन सुनकर सोचता है कि 'काश! यह बात मेरी बहू ने सुनी होती या 'काश! यह बात मेरे पड़ोसी ने सुनी होती'। याद रखिए, प्रवचन किसी दूसरे को 'सुधारने' के लिए नहीं हैं, यह तो उन लोगों के लिए हैं जो स्वयं 'सुधरने' को तैयार हैं। जो इंसान खुद सुधरने को तैयार नहीं है, उसे न कोई आगम सुधार सकता है, न कोई गुरु और न ही स्वयं भगवान। भगवान या गुरु में भी यह सामर्थ्य नहीं है कि वे किसी को जबरदस्ती सुधार दें, जिसने स्वयं को बदलने की ठान ली है, भगवान और गुरु केवल उसके लिए 'आलंबन' (सहारा) बनते हैं, इसलिए दूसरों पर नहीं, स्वयं को जांचें और स्वयं पर काम करें।

परिवार, संघ और समाज में शांति का सूत्र देते हुए संतप्रवर ने कहा कि क्रोध या बहस कभी किसी को शांति नहीं दे सकता और न ही झगड़ों से कभी कोई समाधान निकलता है। एक शांत व्यक्ति ही सबका प्रिय बनता है। जहां 'न्याय' की बात होती है, वहां इंसान को 'समान' स्थान मिलता है; लेकिन जीवन की असली ऊंचाई तब है जब आपके साथ 'अन्याय' हो रहा हो, और फिर भी आप 'शांति' के लिए एक कदम आगे बढ़ा लें। यह त्याग आपको संसार के सर्वोच्च पद पर स्थापित कर देता है। जीवन में अपने अहंकार से ज्यादा 'शांति' को महत्व दें।

बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में आगामी 'जीवन संजीवनी चातुर्मास' के आयोजन की विस्तृत जानकारी दी गई। इस मौके पर विभिन्न संघ संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष जसवंतराज छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। संचालन नेमीचंद दलाल ने किया। सहमंत्री प्रकाश भलगट ने धन्यवाद दिया।

गौतम अमावस्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गुरु गणेश सेवा समिति, कर्नाटक की ओर से शनिवार को मैसूरु बैंक सर्कल के पास स्थित हनुमान मंदिर के पास महाप्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। पांच दिवसीय तीर्थ एवं गुरुदर्शन यात्रा के समापन के उपलक्ष्य में लाभार्थी जैन साधार्मिक सेवा संघ के सौजन्य से अन्नदान का आयोजन किया गया। इस मौके पर चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, कार्याध्यक्ष आशीष बाफना सहित अन्य सदस्यों ने हजारों लोगों को अमावस्या के मौके पर अन्नदान किया।

'माँ एंड मी-टैलेंट फिएस्टा' के विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मदर्स डे के उपलक्ष्य में जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ लेडीज विंग के कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ द्वारा 'माँ एंड मी-टैलेंट फिएस्टा' नामक ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें करीब 70 प्रतिभागियों ने माँ और बच्चों के खूबसूरत रिश्ते को कला, प्रेम एवं रचनात्मकता के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों ने अपनी माताओं और बच्चों के साथ दो मिनट के रिकॉर्डेड वीडियो प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य, नाटक एवं अभिनय जैसी आकर्षक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। निर्णायकों द्वारा रचनात्मकता, प्रस्तुति एवं प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सुनीता कोठारी, द्वितीय पुरस्कार खुशबू जैन तथा तृतीय पुरस्कार मोनिका कुमारी एवं श्वेता राकेचा को प्रदान किया गया। शुक्रवार को सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर लेडीज विंग नॉर्थ की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, पूर्व अध्यक्षा निशा सामर एवं लेडीज संयोजक नेमीचंद दलाल ने प्रतिभागियों की प्रतिभा की सराहना की।

संघ की सुरक्षा एवं उन्नति के लिए आचार्य अपनी शक्ति का उपयोग करते हैं : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेशबाग में पंद्रह दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने कहा कि आचार्य के ऊपर चतुर्विध संघ की सुरक्षा एवं उन्नति का दायित्व होता है। आचार्य 36 गुणों के धारक एवं 8 प्रकार की विशिष्ट आध्यात्मिक सम्पदाओं से युक्त होते हैं, उन्हें उत्कृष्ट संयम साधना से अनेक प्रकार की दिव्य सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। लेकिन वे किसी भी प्रकार का चमत्कार दिखाने हेतु अथवा लोगों को प्रभावित करने हेतु सिद्धियों का प्रयोग नहीं करते हैं। कठिन परिस्थितियों के उत्पन्न होने पर संघ की सुरक्षा एवं विश्व के हित में अपनी साधना से प्राप्त सिद्धियों का उपयोग कर धर्म को हानि पहुँचने से बचाकर विश्व का कल्याण करते हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य तीर्थंकर भगवान द्वारा प्ररूपित मोक्ष मार्ग को आगे बढ़ाने वाले एवं प्रशस्त करने वाले होते हैं। उन्होंने जिनशासन के महान विभूति कालकाचार्य के जीवन एवं उनके द्वारा जिनशासन की प्रभावना की जाने का प्रेरक वर्णन किया। डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने आचार्यश्री जयमलजी द्वारा आगमों के गूढ़ार्थों को साधु साध्वी श्रावक श्राविका के लिए सुलभ कराने और उन्हें मोक्ष मार्ग की साधना में आगे बढ़ाने के महान उपकार का वर्णन करते हुए कहा कि संत का चिंतन होता है कि मैंने स्पर्श आदि इन्द्रिय सुखों में आसक्त होकर कितने भव खोए हैं, काम भोगों में आसक्त होकर कितने जन्म व्यर्थ गंवा दिए और कितनी बार नर्क की यातना सहन की है। आराधक जानता है कि मेरे कर्मों को मुझे ही काटना है। तपस्या से कर्मों को क्षय करना है। आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान में आराधक कर्मों को क्षय करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि साधना द्वारा सदा सदा के लिए जन्म मरण के बंधनों से मुक्त हो सकते हैं। जयपुरंदरमुनिजी ने 12 भावनाओं में अशुचि भावना का वर्णन करते हुए कहा कि यह देह बाह्य रूप में चमड़ी से गढ़ा हुआ है जिस पर हम आसक्त होते हैं लेकिन अंदर हाड़ मांस रक्त आदि अशुचि का पिंड है। अतः शरीर से आसक्ति हटाकर शुद्ध बुद्ध मुक्त अवस्था को पाने की साधना करें। इस मौके पर गणेश बाग शिवाजीनगर, दोड्डबलापुर जैन संघ, श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, मुनिरेड्डीपाल्यम संघ आदि के पदाधिकारियों ने आराधकों की अनुमोदना की। जयमल जैन श्रावक संघ, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा, उपाध्यक्ष किरणचंद बोहरा आदि पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया। संचालन संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

मैसूरु जैन समाज के प्रतिनिधियों ने शनिवार को मैसूरु में केआर पुलिस संभाग के नवनियुक्त सहउपायुक्त केसी प्रकाश से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। जैन प्रतिनिधियों ने जैन समाज द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों की जानकारी सह उपायुक्त केसी प्रकाश को दी गई। इस प्रतिनिधि मंडल में रॉयल ग्रुप के चेयरमैन हंसराज पगारिया, समाजसेवी कांतिलाल जैन, महावीर जैन स्कूल के सचिव हीराचंद कांगटानी, जीतो मैसूरु के मुख्य सचिव गौतम सालेचा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

शांतिलाल बने पीपाड़ जैन महासंघ के अध्यक्ष, दिलीप बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय पीपाड़ शहर जैन महासंघ की साधारण सभा का आयोजन शनिवार को हुआ। अध्यक्ष नवरतनमल समदड़िया ने सभी का स्वागत किया। मंत्री अरविंद भंडारी ने पिछले दो वर्षों के कार्यकाल की विस्तृत जानकारी दी। कोषाध्यक्ष मनोज समदड़िया ने विगत वर्ष का आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। सभा में नई कार्यकारिणी का आगामी दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से गठन किया गया, जिसमें चेयरमैन नवरतनमल समदड़िया, अध्यक्ष पद पर शांतिलाल खिंवेसरा, उपाध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया, मंत्री दिलीप समदड़िया, सहमंत्री लोहित गांधी एवं कोषाध्यक्ष मनोज समदड़िया को नियुक्त किया गया। संचालन महावीर कांकरिया ने किया।

दूसरों को दुख से मुक्त करना, खुदा की बंदगी करने के समान है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शूले स्थित उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट भवन में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि किसी भी प्राणी को दुख देना तो दूर, दुख देने की कल्पना करना, पिंजरे में कैद करना, भूख प्यास रखना भी हराम (पाप) की श्रेणी में आता है। राष्ट्रीय मुस्लिम अहिंसा मंच के कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए कहा कि पैगंबर मोहम्मद रहम, करुणा, प्रेम और परोपकार के पुरोधा थे। दूसरों को दुख से मुक्त करना, खुदा की बंदगी करने के समान है। उन्होंने कहा कि अपने अंदर रहे हुए क्रोध, लोभ, अहंकार की कुर्बानी देकर अल्लाह के सच्चे नेक बंदे बनें, उनके पास तो हमारी पवित्र भावना समर्पण और श्रद्धा ही पहुंचेगी। मुनिश्री ने कहा कि सृष्टि खुदा की अमानत है, उसमें खायामत करने का हमें कोई अधिकार नहीं है। जैन संत ने कहा की विश्व का कोई भी धर्म निर्दोष पर जुल्म करने की इजाजत नहीं देता। प्रवचन सभा में राष्ट्रीय मुस्लिम अहिंसा मंच के उपाध्यक्ष अख्तर रावल ने कहा कि प्राणी मात्र से प्रेम करने पर ही खुदा खुश होंगे। खुदा के बंदे को तकलीफ देखकर हम कभी आराम से नहीं रह सकते। मौलाना अकलाख अहमद ने कहा कि कुरान में गाय के दूध को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बताया है और गाय माता के मांस को हानिकारक बताया गया है। कर्नाटक की एक दरगाह पर तो यहां तक लिखा हुआ है यहां पर मांसाहारी का प्रवेश वर्जित है। अख्तर भाई ने बताया कि राष्ट्रसंत कमलमुनिजी की प्रेरणा से वर्ष 2009 में राष्ट्रीय मुस्लिम अहिंसा मंच का गठन हुआ था, तब से मंच से जुड़े करीब 11 हजार परिवार बकरीद पर गौमाता की सेवा करके ईद मनाते हैं, किसी भी प्राणी की कुर्बानी नहीं देते।

एफकेसीसीआई के स्थापना वर्ष समारोह में सुभाष अग्रवाल हुए सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित व्यापारिक संगठनों में से एक फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) ने अपने गौरवशाली 110 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर संस्था द्वारा 'मेंबर्स डे' का आयोजन किया गया, जिसमें उन वरिष्ठ सदस्यों को सम्मानित किया गया। उसी श्रृंखला में एफकेसीसीआई की कार्यकारिणी समिति में 25 वर्षों से भी अधिक समय से जुड़े रहने वाले वरिष्ठ सदस्य और संस्था के पूर्व चेयरमैन सुभाष अग्रवाल को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पी.सी. मोहन ने डॉ. अग्रवाल को स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर एफकेसीसीआई की अध्यक्ष उमा रेड्डी, सदस्यता चेयरमैन उदया रेड्डी, उपाध्यक्ष साईंराम प्रसाद एवं फिल्म अभिनेत्री हेमा प्रभात भी उपस्थित थीं।

थेरेपी शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर के तत्वावधान में पंद्रह दिवसीय निःशुल्क कोरियन थर्मल थेरेपी एवं उपचार शिविर का शुभारंभ तेरापंथ भवन में हुआ। थेरेपी विशेषज्ञ पुष्पा ने थेरेपी लेने की विधि एवं उससे होने वाले लाभ की जानकारी दी। अध्यक्ष गौतम दक, मंत्री हेमराज मांडोत, महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता तातेड़, शिविर संयोजिका मंजू दक व सीमा मांडोत ने थेरेपी विशेषज्ञ पुष्पा व नित्या को सम्मानित किया।

आईयूएमएल है 'भाई समान दल', धर्मनिरपेक्षता के लिए अहम : सतीशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के नामित मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने शनिवार कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के घटक दल 'इंडियन यूनाइटेड मुस्लिम लीग' (आईयूएमएल) को भाई समान दल करार दिया और कहा कि राज्य में धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को बचाने में उसकी भूमिका अहम रही है।

सतीशन का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और दो हिंदू जातियों के संगठन ने आईयूएमएल के दबाव की वजह से सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने का दावा करते हुए पूरी प्रक्रिया की आलोचना की है।

सतीशन ने यहां आईयूएमएल के नेताओं से उनके कार्यालय में मुलाकात की और पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा, आईयूएमएल यूडीएफ की राजनीति के प्रमुख केंद्रों में से एक है। हमने यूडीएफ टीम के रूप में काम किया, जो पहले कभी नहीं देखा गया। हमने आईयूएमएल के प्रदेश अध्यक्ष सैयद सादिक अली शिहाब थंगल के समर्थन से विधानसभा के अंदर और बाहर एक इकाई के रूप में कार्य किया।

सतीशन ने कहा कि यूडीएफ ने एक मजबूत धर्मनिरपेक्ष रुख अपनाया है, जिसे केरल की जनता का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, इस रुख के पीछे थंगल की भूमिका थी। मुनंबम और पल्लुरुथी जैसे मुद्दों पर सांप्रदायिक अभियान चलाकर कई ताकतों ने फूट डालने की कोशिश की। लेकिन आईयूएमएल और थंगल द्वारा लिया गया रुख मुझे आश्चर्यचकित कर गया। कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए नामित सतीशन ने कहा कि बाबरी मस्जिद विध्वंस के दौरान भी आईयूएमएल नेतृत्व ने इसी तरह का धर्मनिरपेक्ष रुख अपनाया था। उन्होंने कहा कि आईयूएमएल ने लगातार यूडीएफ के धर्मनिरपेक्ष रुख का समर्थन किया है और पार्टी के किसी भी नेता ने सांप्रदायिक टिप्पणी नहीं की है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के वासवी शिक्षक संस्थान विजयनगर द्वारा अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव-2026 का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत का आयोजकों ने सम्मान किया।

कुआलालंपुर-हैदराबाद एयरएशिया की उड़ान में बम की धमकी झूठी निकली

हैदराबाद/भाषा। कुआलालंपुर से हैदराबाद आ रही एयरएशिया की एक उड़ान में बम विस्फोट की धमकी सुरक्षा जांच में झूठी साबित हुई। जीएमआर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय (आरजीआई) हवाई अड्डे के ग्राहक सेवा विभाग को शुक्रवार को ईमेल के जरिए उड़ान में बम विस्फोट की धमकी मिली थी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**